# सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
इंदौर
गुरुवार, 20 नवम्बर, 2025
इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 11 अंक 57, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2


प्रसंगवश

# टूटता पाकिस्तानः सेना ने संविधान को कब्र में भेजा

**ओंकारेश्वर पांडेय**

देशों की तबाही अचानक नहीं होती। न कोई रात में उठकर यह घोषणा करता है कि संविधान मर चुका है, और न कोई सुबह अख़बार के पहले पन्ने पर यह लिखता है कि न्यायपालिका का अंत हो गया। यह सब धीरे-धीरे होता है। परत दर परत, साल दर साल, जब तक एक दिन ऐसा नहीं आता कि बची-खुची संस्थाएँ स्वयं ही स्वीकार कर लें कि अब प्रतिरोध संभव नहीं।

पाकिस्तान में सुप्रीम कोर्ट के जिन दो सबसे सम्मानित न्यायाधीशों जस्टिस सैयद मंसूर अली शाह और जस्टिस अतर मिनल्लाह ने एक-एक कर अपने पदों से इस्तीफा दिया, वह भी एक साधारण विरोध नहीं है; यह पाकिस्तान की न्यायिक स्वतंत्रता की लाश पर लिखा गया दो-लाइन का अंतिम बयान है। लेकिन इस उथल-पुथल को समझने के लिए हमें पीछे लौटना होगा। यानी फ़ैज़ाबाद धरना, नवंबर 2017। वही धरना, वही ज़ख्म, जो आठ साल बाद संविधान की कब्रगाह तक पाकिस्तान को खींच लाया। फैज़ाबाद पाकिस्तान में इस्लामाबाद और रावलपिंडी को जोड़ने वाला एक बहुत महत्वपूर्ण इलाका और चौक (इंटरचेंज) है। 2017 की ठंडी नवंबर की एक सुबह इसी मोड़ पर एक ऐसा राजनीतिक नाटक शुरू हुआ, जिसने पाकिस्तान का रुख बदल दिया।

नवंबर 2017 में, एक धार्मिक-राजनीतिक पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने इस चौक को पूरी तरह बंद कर दिया। उन्होंने राजधानी के आवागमन को ठप्प कर दिया, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी हुई। तहरीक-ए-लबैक पाकिस्तान (TLP), एक कट्टर धार्मिक-राजनीतिक संगठन, अचानक राजधानी के दरवाज़े पर खड़ा था। हज़ारों लोगों के साथ। पूरा देश एक ऐसे टकराव में डूबा हुआ जिसमें हर कोई जानता था कि सरकार की नहीं, किसी और की परीक्षा हो रही है।

कहा गया कि चुनाव अधिनियम की 'ख़त्म-ए-नबूवत' की शपथ में बदलाव ने यह तूफ़ान खड़ा किया। पर यह कोई धार्मिक आक्रोश नहीं था; यह एक संदेश था। एक चेतावनी कि अगर सत्ता भूल जाए कि असली मालिक कौन है, तो 'सड़कें' उसे याद दिलाने आ सकती हैं। शाहिद ख़ाक़ान अब्बासी की सरकार इस संकट के सामने पिघल गई। जब सरकार गिरने जैसी हालत में थी, तब मंच पर प्रवेश हुआ पाकिस्तान के सबसे शक्तिशाली संस्थान का। ISI और MI के कुछ वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें उस समय के DG-MI लेफ्टिनेंट जनरल आसिम मुनीर भी शामिल थे, 'बातचीत' के लिए धरने में पहुँचे। और फिर वह दृश्य जिसे पाकिस्तान आज भी यूट्यूब पर बार-बार देखता हैः वर्दीधारी अधिकारी प्रदर्शनकारियों में लिफ़ाफ़े बाँट रहे थे। सौदे तय किए जा रहे थे। धार्मिक उन्माद का राजनीतिक लाभ उठाया जा रहा था। सरकार ने घुटने टेक दिए। क़ानून मंत्री ने इस्तीफ़ा दे दिया। टीएलपी विजयी होकर घर लौटी। हर किसी ने समझ लिया कि असल सत्ता किसके हाथ में है।

दो साल बाद 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने वह किया जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी। जस्टिस क़ाज़ी फ़ाएज़ ईसा की बेंच ने फ़ैज़ाबाद धरने पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया। यह पाकिस्तान की सत्ता संरचना के केंद्र पर सर्जिकल स्ट्राइक थी। जजों ने लिखा कि खुफ़िया एजेंसियों ने संविधान से परे जाकर काम किया। उन्होंने 'अदृश्य हस्तक्षेप' को बेनक़ाब किया। कई अधिकारियों का नाम सीधे-सीधे दर्ज हुआ। कुछ संस्थाओं की भूमिका पर कड़ी टिप्पणी हुई। दायरे में DG-ISI, DG-MI और पूरी सुरक्षा व्यवस्था की परोक्ष भूमिका आ गई। और यहीं से कहानी की दिशा बदल गई। यह फैसला पाकिस्तान की सैन्य-न्यायिक राजनीति के नियमों के विरुद्ध था। यह वह साहसिक कदम था जो 2007 के वकील आंदोलन की याद दिलाता था। लेकिन इस बार प्रतिद्वंद्वी और भी अधिक शक्तिशाली, अधिक रणनीतिक, और अधिक छुपा हुआ था। नतीजा तय थाः ऐसी न्यायपालिका दोबारा नहीं रहने दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने फैजाबाद मामले की स्वतः सुनवाई की। फैसले में कोर्ट ने साफ कहा- सेना और खुफिया एजेंसियों ने 'गैर-जिम्मेदार' और 'असंवैधानिक' भूमिका निभाई। उन्होंने एक 'अघोषित' भूमिका निभाकर लोकतांत्रिक सरकार को कमजोर किया। यह फैसले ने दिखा दिया कि जब देश की राजधानी बंधक बनी हुई थी, तो असली सौदेबाजी प्रधानमंत्री कार्यालय में नहीं, बल्कि सेना प्रमुखों और TLP नेताओं के बीच हो रही थी। जनरल आसिम मुनीर (अब सेना प्रमुख) और उनके संस्थान के लिए यह फैसला एक शर्मिंदगी और जख्म का कारण बना। आज 2025 में, सुप्रीम कोर्ट को तोड़ने वाला 27वां संशोधन, उसी जख्म का बदला माना जा रहा है। सेना प्रमुख एक ऐसी न्यायपालिका नहीं चाहते, जो उनके काम में दखल दे सके। 2024 में आया 26वाँ संशोधन यानी पहला वार। यह न्यायपालिका की सामूहिक ताक़त को कमजोर करने का परीक्षण था। जस्टिस मंसूर अली शाह अपने पत्र में लिखते हैं कि उन्होंने तब उम्मीद की थी कि 'भीतर से' प्रतिरोध होगा। पर हवा का रुख तेजी से बदल रहा था। 2025 का 27वाँ संशोधन तो विध्वंस का अंतिम चरण था। इसने सुप्रीम कोर्ट को दो हिस्सों में बाँट दिया, एक 'अपील अदालत' और एक नया 'संवैधानिक न्यायालय' जिसमें जजों की नियुक्ति पर कार्यपालिका का भारी प्रभाव रहेगा। यह संविधान के भीतर रेंगता हुआ तख़्तापलट था, एक 'कानूनी' कू। इसके खिलाफ जस्टिस मंसूर अली शाह का इस्तीफ़ा एक बेहद शांत, सटीक, कानूनी प्रहार थाः उन्होंने कहा, 'एक कटे-फटे न्यायालय में बने रहना संविधान के अपराध में मौन साझेदारी है।' एक न्यायाधीश जो संविधान की रक्षा न कर सके, वह न्यायाधीश रह भी कैसे सकता है? जस्टिस अतर मिनल्लाह का पत्र उससे भी अधिक तीखा, मानवीय और झकझोर देने वाला था। उन्होंने लिखाः 'वह संविधान जिसे मैंने बचाने की शपथ ली थी, अब अस्तित्व में ही नहीं है।' और फिर वह वाक्य, जो पाकिस्तान की न्यायपालिका पर एक स्याह रेखा खींच देता है- 'अब न्यायाधीश का वस्त्र पहनना विश्वासघात का प्रतीक बन चुका है।' ये इस्तीफे नौकरियों से त्यागपत्र नहीं, बल्कि लोकतंत्र के शव पर लिखे अंतिम शब्द हैं। आज का पाकिस्तान एक अधिक परिष्कृत, अधिक नियंत्रित, अधिक तकनीकी तंत्र है, जहाँ सत्ता गनरूम से नहीं, कानूनी संशोधनों और राजनीतिक मंचन से चलाई जाती है। जनरल आसिम मुनीर, ने पूरे संविधान को संक्रमित कर दिया है। अब कोई न्यायालय प्रश्न नहीं पूछेगा। अब कोई फैसला सत्ता को चुनौती नहीं देगा। अब पाकिस्तान में संविधान नहीं, बल्कि उसकी यादें बची हैं।

इस संविधान संशोधन के खिलाफ देश भर के वकीलों के संगठन और विपक्षी दल सड़कों पर उतर रहे हैं। इसे 'न्यायपालिका की हत्या' का नाम दिया जा रहा है। दुनिया भर में पाकिस्तान को एक ऐसे देश के तौर पर देखा जाएगा, जहाँ लोकतंत्र का अंतिम गढ़ भी ढह गया। पाकिस्तान एक नए अँधेरे में प्रवेश कर चुका है, और पूरी दुनिया खामोश खड़ी देख रही है।

**( सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)**


subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews


## शरद की सुबह

आज यह जो आम का पौधा लगाया है मैंने
जब तक देह देगी साथ
सनेह सीचूँगा इसे
किसी दिन धरा के वक्ष पर
वृक्ष बनेगा यह
मोक्ष नहीं
हर बार लौटने को जीवन चाहूँगा मैं
किसी शाख पर कूक भरूँगा कोयल बन
तोता-चिड़िया बनकर चखूँगा
चाहूँगा जितने फल
लौटा यदि लेकर यही देह
बैठूँगा इसकी ही छाँव में
इसी के फल होंगे मेरी चाव में शामिल
अब तो आज भूलने लगा हूँ कल का
फिर किसे याद रहता है
जन्म-जन्मांतर
मैं सचमुच भूल जाऊँगा
यहाँ आम का पौधा लगाया था मैंने

**- वसंत सकरगाए**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छतरपुर में होटल द राजगढ़ पैलेस का शुभारंभ किया

# टूरिस्ट हेली सर्विस का उठाएं भरपूर लाभ

- सालभर में 13.41 करोड़ से अधिक पर्यटक मध्यप्रदेश आए
- प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश को दी वाराणसी से खजुराहो वंदे भारत ट्रेन की सौगात
- भारत में चिन्हित की गई 17 आइकोनिक सिटीज में खजुराहो भी शामिल
- राजगढ़ पैलेस होटल के जरिए स्थानीय लोगों को मिलेगा रोजगार



**भोपाल/खजुराहो (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विश्व धरोहर स्थल खजुराहो और पन्ना टाइगर रिजर्व के आसपास पर्यटकों के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। खजुराहो में एयरपोर्ट तो पहले से है ही, अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी से खजुराहो नई वंदे भारत ट्रेन की सौगात दे दी है, जिससे बुंदेलखंड की शान मतंगेश्वर महादेव सीधे काशी विश्वनाथ से जुड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यटकों की सुविधाओं में बढ़ोतरी करते हुए नई पीएमश्री हेली टूरिस्ट सर्विस शुरू की है। इसके अलावा प्रदेशवासियों को इंटर स्टेट हवाई सेवा और एयर एंबुलेंस की सुविधा भी मिल रही है। पर्यटक इन सुविधाओं का भरपूर लाभ उठाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश आने वाले पर्यटकों की संख्या में 526 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। बीते साल 13 करोड़ 41 लाख से अधिक पर्यटक मध्यप्रदेश की धरती पर आए। हमारी पर्यटन प्रोत्साहन योजनाओं के कारण भविष्य में यह आंकड़ा और भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को खजुराहो में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने खजुराहो में 'होटल द ओबेरॉय राजगढ़ पैलेस' का दीप प्रज्ज्वलन एवं फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर ओबेरॉय ग्रुप के स्वामी श्री अर्जुन ओबेरॉय ने पुष्पगुच्छ एवं शॉल ओढाकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खजुराहो का ईश्वर का विशेष आशीर्वाद प्राप्त है। ओबेरॉय ग्रुप के राजगढ़ पैलेस होटल के माध्यम से आज खजुराहो समृद्धि के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। राज्य सरकार बुंदेलखंड के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। खजुराहो की प्राचीनतम स्थापत्य कला को देखने के लिए पूरी दुनिया खिंची चली आती है। खजुराहो महाराजा छत्रसाल की राजधानी रही है। बुंदेलखंड में आल्हा-ऊदल की वीरता की कहानियां जोश से भर देती हैं। यहां 70 एकड़ में यह भव्य होटल बनकर तैयार हुआ है, जिससे पर्यटकों को तो लग्जरियस फेसिलिटी मिलेगी ही, स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिलेगा।

क्षेत्रीय सांसद श्री वीडी शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। खजुराहो एक विश्व धरोहर है, यहां रोजाना दुनियाभर के पर्यटक आते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत में 17 आइकोनिक सिटी चिह्नित की हैं, इनमें खजुराहो भी शामिल है। यहां नजदीक ही पन्ना टाइगर रिजर्व को देखने के लिए भी बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक आते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने खजुराहो को हवाई सेवा के साथ सुपरफॉस्ट ट्रेन वंदे भारत की रेगुलर कनेक्टिविटी भी दे दी है। पन्ना में हीरे तो मिलते ही हैं, भविष्य में राजगढ़ पैलेस होटल इंडस्ट्री का डायमंड बनकर उभरेगा।

कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार, विधायक श्री अरविंद पटेरिया, विधायक श्रीमती ललिता यादव, विधायक श्री राजेश शुक्ला, विधायक श्री कामाख्या प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती विद्या अग्निहोत्री, अपर मुख्य सचिव संस्कृति एवं पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ला, डी आईजी विजय खत्री, कलेक्टर श्री पार्थ जैसवाल, पुलिस अधीक्षक श्री अगम जैन सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ओबेरॉय ग्रुप के स्टॉफ मेंबर्स उपस्थित रहे।

# एसआईआर का सर्वे करने गई टीम पर हमला

## नायब तहसीलदार और बीएलओ को मारे पत्थर, जान बचाकर भागे अधिकारी

**रतलाम (नप्र)।** रतलाम के बासिंद्रा में बुधवार को एसआईआर का सर्वे करने गए प्रशासन की टीम पर हमला हो गया। ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। हमले में नायब तहसीलदार रामकलेश साकेत और बीएलओ विक्रम सिंह राठौड़ घायल हो गए। टीम ने भी अपनी जान बचाई है। दोनों घायलों को रतलाम मेडिकल कॉलेज लाया गया है। पूरा मामला सैलाना विधानसभा क्षेत्र का है। तीन आरोपियों द्वारा किए गए हमले की सूचना मिलते ही एडीएम डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, एएसपी राकेश खाखा, सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया और अन्य अधिकारी मेडिकल कॉलेज पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली।

तीनों आरोपी उमर गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं और घटना के समय शराब के नशे में थे। पुलिस ने इनमें से दो आरोपियों-सायसिंह (28) और बापी ताड़ (55)-को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीसरा आरोपी शोकसिंह (31) फरार है।

### नशे में धुत थे आरोपी

घायल बीएलओ विक्रम सिंह राठौड़ ने बताया कि घटना बासिंद्रा के पास जुलवानिया में हुई, जब तीन नशे में धुत लोग बाइक से आए और बिना कारण गाली-गलौज करने लगे। उनके पास मछली भी थी और वे लगातार पत्थर फेंक रहे थे। इस दौरान तहसीलदार और पटवारी ने एक-दूसरे को बचाया। विक्रम सिंह के हाथ और पेट में चोट आई है। उन्होंने कहा कि पत्थर फेंकते समय पटवारी ने तहसीलदार को धक्का देकर बचाया, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई।

# नीतिश सीएम, सम्राट और विजय सिन्हा बनेंगे डिप्टी सीएम

- बिहार में हो गया फैसला, शपथ ग्रहण समारोह आज दोपहर 1.30 बजे

**पटना (एजेंसी)।** नीतिश कुमार कल यानी गुरुवार को दोपहर 1.30 बजे गांधी मैदान में सीएम पद की शपथ लेंगे। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी भी शामिल होंगे। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने यह जानकारी दी है।

बुधवार को सीएम हाउस में जदयू के विधायक दल की मीटिंग हुई। बैठक में नीतिश कुमार को विधान मंडल दल का नेता चुन लिया गया है। इससे पहले बुधवार सुबह 11 बजे पटना के बीजेपी ऑफिस में विधायक दल की बैठक हुई। इसमें सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना गया है। विजय सिन्हा को विधानमंडल का उपनेता चुना गया है। अब ये तय हो गया है कि सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ही नई सरकार में डिप्टी सीएम होंगे। इधर, सूत्रों के अनुसार चिराग पासवान ने एनडीए में 2 मंत्री पद और डिप्टी सीएम पद की डिमांड रखी है। चिराग अपने बहनोई अरुण भारती का नाम बढ़ा सकते हैं। इस बार विधानसभा चुनाव में एलजेपी (आर) ने 19 सीटें जीती हैं। विधायक दल के नेता के चुनाव से पहले केंद्रीय पर्यवेक्षकों ने आपस में चर्चा की।

# करंट से किसान दंपत्ति की मौत

## थावर नदी में मोटर हटाते समय हादसा, पति को बचाने में चपेट में आई महिला

**मंडला (नप्र)।** मंडला जिले के पिंडरई चौकी क्षेत्र में बुधवार को पानी की मोटर निकालते समय करंट लगने से एक दंपत्ति की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए अस्पताल भेजा। हादसे से गांव में शोक का माहौल है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

**नदी में उतरकर मोटर निकाल रहे थे-** जानकारी के अनुसार, ग्राम अतरिया निवासी किसान राधे कुलस्ते (36) और उनकी पत्नी सीमा कुलस्ते (30) की थावर नदी में करंट लगने से मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि राधे कुलस्ते नदी में उतरकर मोटर निकाल रहे थे, तभी मशीन में अचानक तकनीकी खराबी आ गई।

### दोनों की मौके पर मौत

इसके चलते पानी में तेज करंट फैल गया और राधे उसकी चपेट में आ गए। पति को बचाने की कोशिश में पत्नी सीमा भी नदी की ओर दौड़ीं, लेकिन वे भी करंट की चपेट में आकर मौके पर ही गिर पड़ीं। इस दौरान दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

# भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करना जरूरी नहीं है

- भागवत बोले-देश पर गर्व करने वाला हर व्यक्ति हिंदू
- कहा-यह शब्द धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपरा

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा- भारत और हिंदू एक ही हैं। भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की कोई जरूरत नहीं है। हमारी सभ्यता पहले से ही इसे जाहिर करती है। गुवाहाटी में एक कार्यक्रम के दौरान भागवत ने कहा कि जो भी भारत पर गर्व करता है, वह हिंदू है। हिंदू सिर्फ धार्मिक शब्द नहीं बल्कि एक सभ्यता गत पहचान है, जो हजारों साल की सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ी है। संघ चीफ सोमवार को तीन दिवसीय यात्रा के लिए असम की राजधानी गुवाहाटी पहुंचे। बुधवार को भागवत ने एक युवा सम्मेलन को संबोधित किया। इसके बाद 20 नवंबर को मणिपुर के लिए रवाना होंगे। असम में डेमोग्राफिक चेंज पर मोहन भागवत ने कहा- हमें आत्मविश्वास, सतर्कता और अपनी जमीन-संस्कृति से मजबूत लगाव रखना चाहिए। साथ ही कहा कि समाज के



सभी वर्गों को मिलकर निस्वार्थ भाव से काम करना चाहिए। पूर्वोत्तर को उन्होंने भारत की एकता में विविधता का बेहतरीन उदाहरण बताया। कहा कि लचित बोरफुकन और श्रीमंत शंकरदेव जैसे व्यक्तित्व सिर्फ क्षेत्रीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय महत्व रखते हैं। सभी भारतीयों को प्रेरित करते हैं।

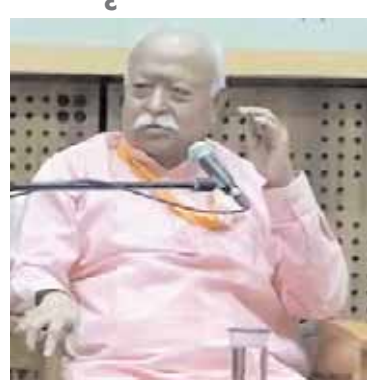

भोपाल का तापमान

अधिकतम 27 °c

न्यूनतम 23°c


# सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 20 नवंबर 2025


जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

## लॉरेंस का भाई अनमोल अमेरिका से भारत लाया गया

● बाबा सिद्दीकी और मूसेवाला के मर्डर का लगा है आरोप

**मुंबई/नई दिल्ली (एजेंसी)।** गैंगस्टर लॉरेंस का भाई अनमोल अमेरिका से डिपोर्ट कर बुधवार को दिल्ली लाया गया। उसे एयरपोर्ट से सीधे पटियाला कोर्ट में पेश किया जाएगा। अमेरिका से कुल 200 लोगों को डिपोर्ट किया गया है, इनमें भारत के 3 लोग हैं। अनमोल के अलावा 2 लोग पंजाब के हैं। अभी इनके बारे में जानकारी नहीं मिली है। गैंगस्टर अनमोल अप्रैल, 2024 में बॉलीवुड स्टार सलमान खान के घर पर हुई फायरिंग मामले में वांटेड आरोपी है। वह पिछले साल मुंबई में बाबा सिद्दीकी की हत्या का मुख्य आरोपी भी है।

## भारत को एसयू-57 फाइटर जेट्स देने को रूस तैयार

● तकनीक भी बिना शर्त ट्रांसफर करेगा

**मॉस्को (एजेंसी)।** भारत को एसयू-57 स्टेल्थ फाइटर जेट्स देने के लिए रूस तैयार हो गया है। दुबई एयर शो में रूसी कंपनी रॉस्टेक के सीईओ सेर्गेई केमेजोव ने कहा कि वे इन फाइटर जेट्स की तकनीक भी बिना शर्त ट्रांसफर करेंगे। रूसी एसयू-57 जेट्स को अमेरिका के एफ-35 का तोड़ माना जाता है। एसयू-57 की तरह एफ-35 भी 5वीं जेनरेशन का लड़ाकू विमान है। अमेरिका लंबे समय से भारत को एफ-35 बेचना चाह रहा है। रूस से यह आश्वासन ऐसे समय आया है जब भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में मॉस्को में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की है। पुतिन अगले महीने भारत आने वाले हैं।

## एसआईआर के लिए गांव-गांव घूम रहे एसपी विधायक फहीम

● यूपी के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने खिलाई थी बीवी की कसम

**मुरादाबाद (एजेंसी)** बिलारी से समाजवादी पार्टी के विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान अक्सर चर्चा में रहते हैं। इसी साल मॉनसून सत्र में यूपी विधानसभा में बहस के दौरान यूपी जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने उन्हें पत्नी की कसम खाने की चुनौती दी थी। सपा के तेज तर्रार नेता फहीम इरफान इस समय अपने क्षेत्र में गांव-गांव साइकिल से टहल रहे हैं। यह एसआईआर को लेकर उनका मतदाताओं को जागरुक करने का अपना तरीका है। अपने इस अभियान के तहत वह बिलारी के ग्राम शाहपुर में यात्रा निकाली।

# गरीबों को भी मिलनी चाहिए अंग प्रत्यारोपण की सुविधा

● सुप्रीम कोर्ट ने की जिंदगी को जिंदा रखने की शानदार पहल

### सुप्रीम कोर्ट ने एक गाइडलाइन बनाने के फैसले पर दी सहमति

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अंग प्रत्यारोपण के लिए एक गाइडलाइन बनाने पर सहमति जताई है। इससे गरीब लोगों को जीवनरक्षक सर्जरी का समान अवसर मिल सकेगा। कोर्ट ने इस मामले में सरकार और याचिकाकर्ता से सुझाव मांगे हैं। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील के. परमेश्वर ने सीजेआई बी. आर. गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच को बताया कि अंगों की उपलब्धता का एक नेशनल डेटा ग्रिडहोना चाहिए।

इससे कतार में लगे संभावित मरीजों को पता चल सकेगा कि वे कहां खड़े हैं और उन्हें अंग मिलने की कितनी संभावना है। उन्होंने कहा कि हर राज्य में मरीजों की एक सूची तैयार की जानी चाहिए। परमेश्वर ने कहा कि गरीब और पिछड़े तबके के लोगों को अंग प्रत्यारोपण का मौका नहीं मिल पाता है। इसकी वजह यह है कि अंग प्रत्यारोपण करने वाले 90 फीसदी अस्पताल और क्लीनिक निजी क्षेत्र में हैं। ये सिर्फ अमीर और प्रभावशाली लोगों की पहुंच में है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को केंद्र और राज्यों को निर्देश देना चाहिए कि वे हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में कम से कम एक ऐसा अस्पताल खोलें, जहां गरीब मरीज किफायती दर पर अंग प्रत्यारोपण सर्जरी करवा सकें। उन्होंने अंग दान करने वालों में लिंगानुपातके असंतुलन पर भी चिंता जताई।

### भारत में 'मोटिवेटेड एक्सीडेंट' के कई मामले

जस्टिस चंद्रन ने कहा कि दक्षिण भारत में मोटिवेटेड एक्सीडेंट के कई मामले सामने आए हैं। इन दुर्घटनाओं को इसलिए अंजाम दिया जाता है ताकि किसी इच्छुक मरीज को अंग मिल सके। उन्होंने कहा, मुझे बताया गया है कि यह ज्यादातर हाईवे पर होता है। केरल में इस मुद्दे पर एक फिल्म भी बनी थी, जिसकी पटकथा एक पुलिस अधिकारी ने लिखी थी, जो शायद इस घोटाले के बारे में जानता था। मेहता ने इन घटनाओं को हत्या के चौंकाने वाले मामले बताया। सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच ने मेहता, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक और वकील परमेश्वर से कहा कि वे बुधवार को अदालत में पेश करने के लिए आदेश में शामिल किए जाने वाले सामान्य बिंदुओं का मसौदा तैयार करें। यह गाइडलाइन इसलिए बनाई जा रही है ताकि गरीब और पिछड़े लोगों को भी अंग प्रत्यारोपण का समान अवसर मिले। अभी ज्यादातर निजी अस्पतालों में ही ये सर्जरी होती हैं, जो महंगी होती हैं।

## एसआईआर पर इंदौर और भोपाल कलेक्टर को फिर फटकार

● ग्वालियर कलेक्टर के काम पर भी नाराजगी, ईसी डायरेक्टर बोलीं- सुधार नहीं हुआ तो कार्रवाई करेंगे

**भोपाल (नप्र)।** चुनाव आयोग ने एसआईआर की धीमी रफ्तार को लेकर एक बार फिर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत बड़े जिलों के कलेक्टरों को फटकार लगाई है। आयोग की डायरेक्टर शुभ्रा सक्सेना ने इन कलेक्टरों से कहा है कि अगर अगली मीटिंग से पहले एसआईआर डिजिटलाइजेशन में सुधार नहीं हुआ तो कार्रवाई तय है।

सक्सेना ने यह नाराजगी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ली गई कलेक्टरों की मीटिंग में जताई है। उधर, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों की बैठक लेकर भी इस काम में तेजी लाने के लिए कहा है। बुधवार को चुनाव आयोग के अफसरों ने एक बार फिर एसआईआर के गणना पत्रक वितरण और डिजिटलाइजेशन को लेकर कलेक्टरों के साथ संवाद किया।

### छोटे जिलों की स्थिति में सुधार आया

इस दौरान यह जानकारी सामने आई कि शहडोल, उमरिया, अनूपपुर जैसे छोटे जिलों की हालत में सुधार आया है। इन जिलों में पिछली मीटिंग में गड़बड़ी पर कलेक्टरों को डांट पड़ी थी। इधर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर जैसे बड़े शहरों में डिजिटलाइजेशन का प्रतिशत काफी कम है। इसके चलते चुनाव आयोग की डायरेक्टर शुभ्रा सक्सेना ने इन कलेक्टरों से नाराजगी जताते हुए कहा कि वे अगली बैठक से पहले परफॉर्मेंस सुधार लें।

### राज्यपाल ने आसियान समिति से कहा मध्यप्रदेश के साथ साझी विकास यात्रा की अपार संभावनाएं

# मध्यप्रदेश में स्थिर, सुरक्षित और उद्योग अनुकूल वातावरण : राज्यपाल मंगुभाई पटेल

**भोपाल (नप्र)।** राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने आसियान समिति से कहा है कि मध्यप्रदेश के साथ साझी विकास यात्रा की अपार संभावनाएं हैं। भारत और आसियान देश साझी सभ्यता वाले क्षेत्र हैं। मध्यप्रदेश और आसियान देशों के बीच सांस्कृतिक आत्मीयता, व्यापारिक समानता और सहयोग की संभावनाएँ अत्यंत मजबूत हैं। दोनों क्षेत्रों के पास युवा जनसंख्या की ऊर्जा, नवाचार की क्षमता, विविध सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति तथा विकास के प्रति समान संवेदनशील दृष्टिकोण मौजूद है। प्रदेश के साथ व्यापार, निवेश, पर्यटन, शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य सेवाओं, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में असाधारण और दीर्घकालिक साझेदारियाँ करने की अनंत संभावनाएँ हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में स्थिर, सुरक्षित और उद्योग अनुकूल वातावरण इस यात्रा को और अधिक अर्थपूर्ण बनाएगा।

● आसियान समिति का प्रतिनिधि मंडल राजभवन में मिला

राज्यपाल श्री पटेल राजभवन में आमंत्रित आसियान समिति के प्रतिनिधि मंडल के साथ बुधवार को चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री चंद्रमौली शुक्ला भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि भारत सरकार की एक्ट ईस्ट पॉलिसी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच का प्रतीक है। यह नीति भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के साझा इतिहास, सांस्कृतिक जड़ों और भविष्य की समृद्ध साझेदारी को मजबूत करने का मार्ग है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के साथ व्यापारिक, निवेश, तकनीकी, सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों में निरंतर वृद्धि से पारस्परिक रिश्ते मजबूत होंगे। नए अवसर उत्पन्न होंगे। हमारी सहभागिता आने वाले वर्षों में एक नए अधिक विकसित युग का निर्माण करेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार पारदर्शी नीतियों के साथ निवेशकों को सुरक्षा प्रदान करती है। इसी वर्ष प्रदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी के द्वारा 18 नवीन इन्वेस्टर फ्रेंडली नीतियाँ लॉन्च की गईं। ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस में मध्यप्रदेश देश के उत्कृष्ट सुधारक राज्यों में शामिल है। मध्यप्रदेश की जनता सरलता, परिश्रम, सहिष्णुता और सौहार्द्र की मिसाल है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को भारत का हृदय कहा जाता है, क्योंकि इस राज्य की धड़कनें भारत की संस्कृति, परंपराएँ, प्रकृति, अध्यात्म, सामाजिक विविधता, आर्थिक क्षमता और आधुनिक विकास को समेटे हुए हैं। उन्होंने प्रदेश के नगरों, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर के विकास और पर्यावरणीय संतुलन को रेखांकित किया। बताया कि राज्य में 11 एग्रो क्लाइमेटिक जोन होने के कारण इसे देश की फूड बास्केट कहते हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने आसियान समिति नई दिल्ली के प्रतिनिधियों को सांची की प्रतिकृति, स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की। आसियान नई दिल्ली समिति के अध्यक्ष भारत में मलेशिया के उच्चायुक्त श्री दातो मुजफ्फर शाह मुस्तफा ने मध्यप्रदेश में प्रतिनिधि मंडल के गरिमामय स्वागत सत्कार के लिए आभार ज्ञापित किया।

## राहुल गांधी के खिलाफ 272 रिटायर्ड जजों-अफसरों का लेटर

● कहा-चुनाव आयोग की छवि बिगाड़ रही कांग्रेस, राहुल 3 प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुके

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** चुनाव आयोग पर लग रहे वोट चोरी के आरोपों पर देशभर के 272 रिटायर्ड जजों और ब्यूरोक्रेट्स ने बुधवार को एक ओपन लेटर जारी किया है। इसमें लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की आलोचना की गई है। लेटर में 16 पूर्व जज, 123 सेवानिवृत्त ब्यूरोक्रेट (14 पूर्व राजदूत सहित) और 133 रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों के सिग्नेचर हैं। इन रिटायर्ड जजों और ब्यूरोक्रेट्स ने ओपन लेटर में आरोप लगाया है कि कांग्रेस लगातार चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की साख कमजोर करने की कोशिश कर रही है। इससे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में अनावश्यक अविश्वास फैलता है। लेटर में यह भी कहा गया कि चुनाव आयोग भारत की चुनाव प्रणाली का सबसे अहम स्तंभ है। उस पर बार-बार सवाल उठाना ठीक नहीं।

# हमारी पीढ़ी के लिए दिव्य वरदान है सत्य साई का जन्म शताब्दी वर्ष

● प्रधानमंत्री मोदी पुट्टपर्थी में सत्य साई बाबा के शताब्दी समारोह में हुए शामिल

### कार्यक्रम में एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय ने पीएम के पैर छुए, सचिन तेंदुलकर भी पहुंचे

**अमरावती (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को आंध्रप्रदेश के पुट्टपर्थी में सत्य साई बाबा के शताब्दी समारोह कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा- श्री सत्य साई बाबा का यह जन्म शताब्दी वर्ष हमारी पीढ़ी के लिए सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि एक दिव्य वरदान है। आगे पीएम ने कहा कि आज भले ही वें हमारे बीच दैहिक स्वरूप में नहीं हैं, लेकिन उनकी शिक्षा, उनका प्रेम, उनकी सेवा भावना आज भी करोड़ों लोगों का मार्गदर्शन कर रही हैं। उनकी शिक्षा का प्रभाव लोगों के बीच दिखता है। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने 100 रुपए का स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। इससे पहले मोदी सत्य साई बाबा का मंदिर और समाधि पर पहुंचे। यहां उन्होंने पूजा-पाठ की। जन्म शताब्दी इवेंट में सीएम मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, डिप्टी सीएम पवन कल्याण, एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय और पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी पहुंचे।

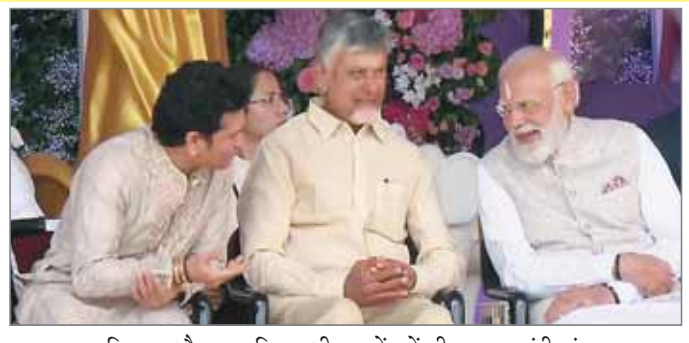

● मोदी बोले- सत्य साई बाबा का संदेश लोगों में दिखता है- पीएम मोदी ने कहा कि श्री सत्य साई बाबा का संदेश केवल पुस्तकों, प्रवचनों और आश्रमों की सीमाओं में नहीं रहा है। उनकी शिक्षा का प्रभाव लोगों के बीच दिखता है। आगे कहा कि आज भारत के शहरों से लेकर छोटे गांवों तक, स्कूलों से लेकर आदिवासी बस्तियों तक, संस्कृति, शिक्षा और चिकित्सा सेवा का एक अद्भुत प्रवाह दिखाई देता है। बाबा के करोड़ों अनुयायी बिना किसी स्वार्थ के इस काम में लगे हैं। मानवसेवा ही माधव सेवा है, ये बाबा के अनुयायियों के सबसे बड़ा आदर्श है।

# जर्मनी का हेलीकॉप्टर सेफ्टी सिस्टम अब सिर्फ भारत में बनेगा

### भारत और जर्मनी ने एक बहुत बड़ी रक्षा उत्पादन कर ली डील

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और जर्मनी ने बुधवार को दुबई एयरशो 2025 में एक हेलीकॉप्टर ऑब्सटैकल अवॉयडेंस सिस्टम (ओएएस) बनाने के लिए साझा कार्यक्रम की घोषणा की है। भारत की ओर से इसकी अगुवाई हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और जर्मनी की आंशिक रूप से सरकारी स्वामित्व वाली हेन्सोल्ड्ट करेगी। इसके साथ ही भारत-जर्मनी के बीच रक्षा निर्माण के क्षेत्र में यह करीब तीन दशकों के बाद सबसे बड़ी और ऐतिहासिक डील है। इस कार्यक्रम के तहत भारत में ऑब्सटैकल अवॉयडेंस सिस्टम (ओएएस) बनाने का काम एचएएल के प्लांट में देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत की पुण्यतिथि 8 दिसंबर से शुरू होगा। जानकारी के मुताबिक अगर जनरल रावत के हेलीकॉप्टर में इस तरह का सेफ्टी सिस्टम लगा होता तो शायद खराब मौसम में भी वह सुरक्षित लैंड कर सकता था। जर्मनी की कंपनी हेन्सोल्ड्ट अब अपने ओएएस का निर्माण सिर्फ भारत के माध्यम से ही करेगी और जर्मनी में इसका उत्पादन पूरी तरह से बंद किया जा रहा है। पहले इसे लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर में लगाया जाएगा, फिर एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर में फिट होगा। बाद में अन्य प्लेटफॉर्म के लिए भी इस्तेमाल होंगे। यह बिल्ड टू स्पेक मॉडल पर साझा तौर पर बनाया जाएगा। इस डील में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, डिजाइन पर बात हुई है।

### ऑब्सटैकल अवॉयडेंस सिस्टम की जरूरत

हेलीकॉप्टर ऑब्सटैकल अवॉयडेंस सिस्टम की भारत को सबसे ज्यादा जरूरत लद्दाख, सियाचिन, नॉर्थ-ईस्ट, रेगिस्तान और तटीय क्षेत्रों में है। हेन्सोल्ड्ट में जर्मन फेडरल सरकार की 25.1त्न हिस्सेदारी है। जर्मनी यूरोपियन यूनियन में भारत का सबसे बड़ा व्यवसायिक साझेदार है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने इस सिस्टम के निर्माण के लिए यूपी स्थित इसके कोरबा डिविजन को चुना है। यह हेलीकॉप्टर ऑब्सटैकल अवॉयडेंस सिस्टम 1,000 मीटर से भी ज्यादा दूर की बाधाओं का पता लगाने में सक्षम है। पतले से पतले तार, केबल, पोल, टावर या भौगोलिक क्षेत्र का भी यह पता लगा लेता है। तारों के समांतर उड़ते समय भी यह उसे देख लेता है, जहां कई बार रडार भी फेल हो जाते हैं।

# भोपाल-पुणे बस में महिला नेशनल शूटर से छेड़छाड़, ड्राइवर-कंडक्टर नशे में

## युवती ने दोनों को जमकर पीटा, राजेंद्र नगर थाने में मामला दर्ज

**इंदौर।** रविवार देर रात वर्मा ट्रेवल्स की भोपाल-पुणे बस में नेशनल लेवल की महिला शूटर के साथ छेड़छाड़ का गंभीर मामला सामने आया। जानकारी के मुताबिक 30 वर्षीय महिला शूटर जब इंदौर-पुणे रूट की बस में चढ़ रही थी, तभी कंडक्टर ने उसे बैड टच भी किया। विरोध करने पर ड्राइवर और कंडक्टर दोनों ने बदतमीजी की, इसके बाद खिलाड़ी ने मौके पर ही दोनों की पिटाई कर दी। यह घटना भोपाल से पुणे जाते समय एक बस में हुई। पीड़िता ने इस पूरे मामले की शिकायत राजेंद्र नगर पुलिस स्टेशन में आवेदन देकर की है।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार पीड़ित महिला खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए भोपाल आई हुई थी। प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद वह वर्मा ट्रेवल्स की बस में भोपाल से पुणे जा रही थी। पीड़िता का आरोप है कि बस में सवार होते समय कंडक्टर ने उसके साथ बैड टच किया। कंडक्टर की हरकतों से तंग आकर महिला खिलाड़ी ने कंडक्टर और ड्राइवर दोनों की जमकर पिटाई कर

दी। घटना के बाद कंडक्टर और ड्राइवर दोनों ही मौके से भाग खड़े हुए।

इस दौरान बस काफी देर तक सड़क के बीच में खड़ी रही। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बस को रुका देखकर अन्य यात्रियों ने तुरंत बस संचालक से संपर्क किया। ऑपरेटर ने आनन-फानन में एक दूसरे ड्राइवर को मौके पर भेजा। तब कहीं जाकर बस पुणे की ओर रवाना हो सकी। पीड़िता ने घटना के संबंध में राजेंद्र नगर पुलिस थाने में एक शिकायती आवेदन दिया है। आवेदन के आधार पर पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ड्राइवर और कंडक्टर दोनों ही शराब के नशे में धुत बताए जा रहे हैं।

मामले की जांच कर रही एसआई शिल्पा पाटीदार ने घटना की पुष्टि की है और बताया कि आगे की कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर की जाएगी। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने कहा कि जैसे ही युवती ने थाना देखा, उसने शिकायत करने की बात कही। इसी दौरान ड्राइवर, कंडक्टर और क्लीनर मौके से भाग निकले। पुलिस मामले को लगातार फॉलो कर रही है।

**ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों से छेड़छाड़-** इससे पहले 25 अक्टूबर को इंदौर में आईसीसी विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप का मुकाबला खेलने आई ऑस्ट्रेलियाई टीम की दो महिला खिलाड़ियों के साथ भी छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। ये दोनों खिलाड़ी होटल रेडिसन ब्लू से पैदल एक कैफे की तरफ जा रही थी तभी बाइक सवार आरोपी अकील ने उनका पीछा किया और एक खिलाड़ी को गलत तरीके से छूकर भाग निकला। घटना के बाद पुलिस ने पांच थानों की विशेष टीम बनाकर आरोपी अकील की तलाश की और उसे गिरफ्तार किया था।

### पहले भी हो चुकी घटनाएं

जानकारी के मुताबिक, युवती नवी मुंबई से इंदौर जाने के लिए हंस ट्रेवल्स (बस क्रमांक एआर 11 डी 1919) की स्लीपर बस में सवार हुई थी। पीड़िता इंदौर के एक धार्मिक संस्था से जुड़े परिवार की है और मुंबई की एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती है। आरोप है कि रास्ते में आरोपी किशोर सिंह बस में चढ़ा और युवती को अकेली देखकर उसे तंग करना शुरू कर दिया। युवती के विरोध करने पर भी वह नहीं माना और बार-बार स्लीपर केबिन का पर्दा हटाकर गलत हरकतें करता रहा। राजेंद्र नगर थाना पुलिस के टीआई नीरज बिरथरे के अनुसार, यह घटना शुक्रवार रात की है। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी किशोर सिंह के साथ-साथ बस के ड्राइवर और क्लीनर को भी आरोपी बनाया गया है, क्योंकि उन्होंने शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस ने बस में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी जब्त कर ली है।

### तीन हमलावर नाबालिग पकड़े गए

**इंदौर।** तिलक नगर इलाके में स्क्रैप कारोबारी गौरव पर हुए हमले का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह की टीम ने घटना में शामिल तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी नाबालिग को गौरव और उसकी मां की आपसी दोस्ती पसंद नहीं थी। इसी नाराजगी में उसने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर व्यापारी पर हमला करने की योजना बनाई। घटना तीन दिन पहले की है, जब आरोपियों ने रस्ते में अकेला देखते ही गौरव पर चाकू और पत्थरों से हमला कर दिया। हमले के दौरान जब आसपास के लोग बचाव के लिए आए तो तीनों आरोपी वहां से भाग निकले। बाद में वे अपने-अपने घर न जाकर दोस्तों के यहां जाकर सो गए। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर एफआईआर दर्ज की और उन्हें मंगलवार को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी व्यापारी की हत्या करना चाहता था। फिलहाल तीनों नाबालिगों पर चाकूबाजी व अन्य प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई की जा रही है।

### सराफा चौपाटी में दो व्यापारी आपस में भिड़े

**इंदौर।** शहर की मशहूर सराफा चौपाटी पर सोमवार देर रात हंगामा हो गया। ग्राहक को अपनी दुकान पर लाने की बात पर दो छोटे सराफा व्यापारियों में कहासुनी इतनी बढ़ गई कि मामला हाथापाई तक पहुंच गया। सड़क पर ही दोनों ने एक-दूसरे पर थप्पड़-घूंसे चलाए और चिमटा तक चला दिया। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रोज की तरह रात में चौपाटी पर दुकानें सजी थीं। इसी दौरान ग्राहक को खींचकर अपनी दुकान पर लाने को लेकर दोनों में विवाद हो गया। कुछ ही मिनटों में मामला मारपीट में बदल गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों व्यापारियों को थाने ले गई। थाने में पहुंचने के बाद दोनों राजीनामा करने की बात करने लगे, लेकिन पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए कार्रवाई की और दोनों को जेल भेज दिया। सराफा टीआई राजकुमार लिटोरिया के मुताबिक, छोटा सराफा इलाके के दो दुकानदार कैलाश गुर्जर निवासी जनता कॉलोनी, बड़ा गणपति और दिनेश व्यास शक्कर बाजार के बीच ग्राहक को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस अब दोनों के पुराने रिकॉर्ड भी चेक कर रही है।

### चार ट्रैफिक प्रहरियों का सम्मान, 11 नए शामिल

**इंदौर।** शहर में सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था की दिशा में पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ट्रैफिक प्रहरी' अभियान को निरंतर सफलता मिल रही है। आम नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से शुरू किए गए इस अभियान में अब तक 1620 जिम्मेदार नागरिक ट्रैफिक प्रहरी के रूप में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। इस कड़ी में उत्कृष्ट सेवा देने वाले 4 ट्रैफिक प्रहरियों राकेश चौहान (चंदन नगर चौराहा), सुभाष निहाले (देवास नाका चौराहा), पूजा राय (राजवाड़ा क्षेत्र) तथा सुरेश दास बैरागी (गंगवाल बस स्टैंड क्षेत्र) को प्रशस्ति पत्र और शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा अभियान से हाल ही में जुड़े 11 नए ट्रैफिक प्रहरियों को पुलिस कमिश्नर ने कैप पहनाकर प्रोत्साहित किया तथा उन्हें जैकेट, सिटी, लाइट बैटन और बैज भी प्रदान किए। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि 'ट्रैफिक प्रहरी' अभियान का उद्देश्य नागरिकों को यातायात प्रबंधन की प्रक्रिया में सहभागी बनाना है, ताकि शहर में बेहतर, सुरक्षित और अनुशासित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। नागरिक दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर गूगल फॉर्म भरकर सुविधानुसार समय और स्थान चुनकर ट्रैफिक प्रहरी के रूप में योगदान दे सकते हैं।

### पति ने नकली मंगलसूत्र पहनाया

**इंदौर।** महिला को पति ने झूठ बोलकर खोटा मंगलसूत्र पहना दिया। जब महिला को पता चला तो उसने आपत्ति ली। इसके बाद पीड़िता बरखा पंचोली निवासी कालिंदी गोल्ड की शिकायत पर पति राजू पंचोली के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। फरियादी के अनुसार पति नकली मंगलसूत्र की कीमत और शादी में हुए खर्च को लेकर लगातार मांग रहा था। जब पत्नी पैसे देने से इनकार करती तो वह उसे जान से मारने की धमकी देता था। पीड़िता ने बताया, मेरा पति कहता कि यदि तुम हमारी मांग पूरी नहीं करोगी तो मैं तुम्हें अपने साथ नहीं रखूंगा।महिला ने आरोप लगाया है कि इस व्यवहार के चलते उसे शारीरिक और मानसिक रूप से अत्यधिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी है। बाणगंगा पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

### पुलिस को सफेद शर्ट वाले चोर की तलाश

**इंदौर।** होस्टलों को निशाना बनाने वाले सीरियल चोर की तलाश में पुलिस ने तेजी ला दी है। पुलिस ने होस्टल के सीसीटीवी कैमरे फुटेज के आधार पर सफेद शर्ट पहने बदमाश की पहचान कर उसकी खोज शुरू कर दी है। भंवरकुआं पुलिस ने यह कार्रवाई श्री लाइब्रेरी होस्टल में रहने वाले छात्र हरू पिता वसना मेड़ा की शिकायत पर की है, जिसके मोबाइल और लैपटॉप चोरी हो गए थे। आरोपी ने शनिवार की सुबह 6 से 9 बजे के बीच होस्टल में प्रवेश किया। वह पहले छात्र के कमरे में घुसा और मोबाइल चुरा ले गया। इसके बाद आरोपी ने इसी समयावधि में होस्टल के कई अन्य कमरों में भी प्रवेश कर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। इन चोरियों में छात्रों के मोबाइल और लैपटॉप शामिल हैं।

### हेलमेट पहनने की सीख दी गई

**इंदौर।** सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए हेलमेट जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान में ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन कर हेलमेट पहनने के महत्व के बारे में समझाया। ऐसे वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए जिनके पास सभी जरूरी दस्तावेज मौजूद थे। नियम तोड़ने वाले चालकों का पहले चालान किया, फिर हेलमेट दिए गए। अभियान में शामिल चालकों को नियम पालन के लिए सम्मानित किया। एक चालक ने बताया कि बिना हेलमेट बाइक चलाते समय उसका गंभीर एक्सीडेंट हुआ, जिसमें वह 13 दिन तक कोमा में रहा। इसके बाद उसने कभी भी बिना हेलमेट बाइक न चलाने का संकल्प लिया। वहीं, महिला चालक ने कहा कि हेलमेट सभी की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

# भूपेंद्र सुसाइड केस की आरोपी इति तिवारी की जमानत याचिका हाईकोर्ट से नामंजूर

## हाईकोर्ट ने कहा 'सुसाइड नोट देखकर फ़िलहाल जमानत देना उचित नहीं'

**इंदौर।** अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र में पब संचालक भूपेंद्र रघुवंशी की आत्महत्या मामले में आरोपी बनाई गई इति तिवारी को सोमवार को हाईकोर्ट से भी बड़ा झटका लगा है। इति तिवारी द्वारा दायर की गई जमानत याचिका को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए खारिज कर दिया। अदालत ने मामले की गंभीरता, उपलब्ध साक्ष्यों और मृतक द्वारा छोड़े गए सुसाइड नोट का उल्लेख करते हुए कहा कि फिलहाल जमानत देना उचित नहीं है।

मामला 30 अगस्त का है, जब भवानी नगर निवासी और तीन पब-बार के संचालक भूपेंद्र रघुवंशी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। प्रारंभिक जांच में इति तिवारी, उसकी बहन शिवांगी और उसकी सहेली आरशा का नाम सामने आया था। हालांकि, पुलिस ने मुख्य आरोप इति तिवारी पर ही तय किया। घटना के तीसरे दिन इति ने अपने वकीलों के माध्यम से अन्नपूर्णा थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण किया था, जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। जमानत याचिका में इति ने अपने बचाव में यह दावा किया था कि वह एक प्रतिष्ठित ब्रांडेड कंपनी में कार्यरत है और निर्दोष है, इसलिए उसे जमानत दी जानी

चाहिए। हालांकि, कोर्ट ने इन दलीलों को अस्वीकार करते हुए कहा कि मृतक द्वारा छोड़ा गया सुसाइड नोट और दर्ज बयान बेहद गंभीर प्रकृति के हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट कहा कि अभी इस स्तर पर आरोपी को राहत नहीं दी जा सकती। वहीं मृतक भूपेंद्र रघुवंशी के परिवार ने इति की जमानत का तीव्र विरोध किया था।

परिवार की ओर से हाईकोर्ट एडवोकेट योगेश कुमार गुप्ता और अभिषेक रघुवंशी ने कोर्ट में आपत्ति दर्ज कराते हुए तर्क दिया कि भूपेंद्र ने मरने से पहले पांच पन्नों का विस्तृत सुसाइड नोट छोड़ा था, जिसमें इति तिवारी के नाम का स्पष्ट उल्लेख है।

नोट में भूपेंद्र ने इति की कथित प्रताड़ना, दबाव और ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर आत्महत्या करने की बात लिखी है। परिवार ने कोर्ट को यह भी बताया कि मृतक के ड्राइवर ने भी अपने बयान में इति, शिवांगी और आरशा के नाम लिए थे। पुलिस ने मामले में मृतक के परिवारजनों और करीबी दोस्तों के बयान भी दर्ज किए हैं, जिनमें इति द्वारा मानसिक दबाव बनाने और झगड़े के कई प्रसंग सामने आए।

# ढाई महीने की बच्ची को एक्सपायर्ड वैक्सीन लगाया, विरोध पर मारपीट

## मामला दबाने के लिए वैक्सीन का पैसा लौटाने की भी पेशकश

**इंदौर।** जूनी इंदौर थाना क्षेत्र में ढाई महीने की बच्ची को एक्सपायर्ड वैक्सीन लगाने का मामला सामने आया। जब बच्ची के माता-पिता ने इस पर आपत्ति जताई तो डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ ने उनके साथ मारपीट की और धमकाते हुए अस्पताल से बाहर निकाल दिया। घटना के बाद दंपत्ति ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई, जिसके आधार पर डॉक्टर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मूसाखेड़ी निवासी राहुल ठाकुर ने बताया कि वे अपनी बेटी को सोमवार रात सपना-संगीता रोड स्थित 'मातरम हॉस्पिटल' में वैक्सीनेशन कराने पहुंचे थे। रिसेप्शन पर 7,030 रुपए जमा करने के बाद पीडियाट्रिशियन डॉ हिमांशु अग्रवाल ने बच्ची को हेक्सा-2 वैक्सीन लगा दी। इसी दौरान राहुल की नजर वैक्सीन के रैपर पर पड़ी, जिस पर मई 2025 की एक्सपायरी डेट लिखी थी। उन्होंने इस पर तुरंत आपत्ति जताई।

### दूसरा रैपर चिपकाया

राहुल का आरोप है कि डॉक्टर ने उनकी आपत्ति देखते ही फाइल से रैपर हटाकर दूसरी वैक्सीन का रैपर चिपका दिया। जब उन्होंने पुराना रैपर मांगा तो डॉक्टर ने देने से इनकार कर दिया। कुछ देर बाद जब राहुल को वही रैपर टेबल पर दिखा और उन्होंने उठाने की कोशिश की, तो डॉक्टर ने हाथ से छीन लिया और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। अस्पताल के स्टाफ ने भी उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर बाहर निकाल दिया। राहुल के अनुसार, बाद में डॉक्टर ने मामले को रफा-दफा करने के लिए वैक्सीन का पैसा लौटाने की पेशकश भी की। दंपत्ति किसी तरह वहां से निकलकर रात 12 बजे थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। बच्ची रो रही है और सुस्त है, जिससे माता-पिता बेहद चिंतित हैं।

# इंदौर में इन 23 सड़कों पर टूटेंगे मकान व दुकानें, ट्रैफिक सुधरेगा

## नगर निगम केविएट दायर करके स्टे का रास्ता भी बंद करेगी

**इंदौर।** शहर के पूर्वी इलाके मालवीय नगर में नगर निगम ने 140 मकानों को तोड़ा। अब शहर की 23 सड़कों पर भी ऐसे ही मकानों को तोड़ा जाएगा। शहर में बढ़ रही गाड़ियों और ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने के लिए शहर के पुराने रहवासी क्षेत्रों के घरों, दुकानों को तोड़ा जा रहा है। मास्टर प्लान की 23 सड़कों के लिए नगर निगम हाई कोर्ट में केविएट भी दायर कर रहा है। बताया जा रहा है कि इसके बाद यहां रहने वाले रहवासियों को कोर्ट से भी स्टे नहीं मिलेगा।

**इन 23 सड़कों पर तोड़फोड़ होगी-** जिंसी चौराहा से लक्ष्मीबाई प्रतिमा तक (24 मीटर), नेमीनाथ चौराहा से जिंसी चौराहा तक (24 मीटर), सुभाष मार्ग गोल मंदिर से रामबाग पुल तक (30 मीटर), मच्छी बाजार चौराहा से चंद्रभागा पुल तक (24 मीटर), टीसीएस से एमआर-5 तक लिंक रोड (30 मीटर), एमआर-10 से एमआर-12 को जोड़ने वाली लिंक रोड (30 मीटर), एयरपोर्ट रोड से एमआर-5 को जोड़ने वाली लिंक रोड (30 मीटर), एमआर-5 बड़ा बांगड़दा से पीएमएवाय मल्टी तक (30 मीटर), भमौरी चौराहा से एमआर-10 और राजशाही गार्डन से होटल वाव तक (30 मीटर), सांवेर रोड पेट्रोल पंप से

शिव शक्ति नगर हनुमान मंदिर तक (30 मीटर), भागीरथपुरा मेन रोड एमआर-4 से पुलिया तक (18 मीटर), एडवांस एकेडमी से रिंग रोड तक (30 मीटर), एबी रोड जीपीओ चौराहा से सरवटे बस स्टैंड तक (24 मीटर), नेहरू प्रतिमा (मधुमिलन चौराहा) से छावनी पुल तक (24 मीटर), वीर सावरकर प्रतिमा से अटल गेट तक (18 मीटर), एमआर-9 से मालवीय नगर गली नंबर-2 होते हुए एलआईजी लिंक रोड (18 मीटर), मूसाखेड़ी चौराहा से सावरिया धाम मंदिर तक (45 मीटर), किला मैदान रोड गुटकेश्वर महादेव मंदिर से सदर बाजार तक (18 मीटर), कंडेलपुरा रोड सुभाष मार्ग से इंदौर वायर चौराहा तक (30 मीटर), रिंग रोड खजराना मंदिर द्वार से जमजम चौराहा तक (18 मीटर), जमजम चौराहा से स्टार चौराहा तक (30 मीटर), बायपास होटल प्राइड से सिटी फॉरेस्ट तक (30 मीटर), सरवटे बस स्टैंड जूनी इंदौर ब्रिज से चंद्रभागा होते हुए मच्छी बाजार चौराहा तक (24/18 मीटर) तक की सड़कों को चौड़ा किया जाना है।

# ढाई साल की अनिका को चाहिए 9 करोड़ रू का जीवनरक्षक इंजेक्शन

## माता-पिता ने जनसुनवाई में भी मदद के लिए गुहार लगाई

**इंदौर।** राजगढ़ के ब्यावरा में ट्रेवल्स कंपनी में काम करने वाले प्रवीण शर्मा इन दिनों अपनी ढाई साल की बेटी अनिका के इलाज के लिए इंदौर में प्रयास कर रहे हैं। अनिका एसएमए टाइप-2 (स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी) से जूझ रही है। यह ऐसी दुर्लभ बीमारी जो दस लाख बच्चों में से किसी एक को होती है। इस बीमारी के कारण इलाज में देरी होने पर बच्चा जीवनभर के लिए अपंग हो सकता है। इस बीमारी से लड़ने का एकमात्र प्रभावी उपचार अमेरिका में बनाया गया 9 करोड़ रुपए का इंजेक्शन है, जिसे अगले दो महीनों के भीतर लगाना बेहद जरूरी है। अपनी बेटी के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की उम्मीद में अनिका के माता-पिता आज मंगलवार की जनसुनवाई में कलेक्टर शिवम वर्मा के पास पहुंचे। भावुक होते हुए मदद की गुहार लगाई। माता-पिता ने बताया कि अनिका एसएमएस टाइप-2 (स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी) नामक गंभीर बीमारी से पीड़ित है। इस बीमारी में बच्चों की मांसपेशियाँ धीरे-धीरे कमजोर होती जाती हैं। अनिका का वजन भी लगातार कम होता जा रहा है। दिल्ली के एम्स अस्पताल में उसका उपचार चल रहा

है, जहाँ डॉक्टरों ने बताया कि लगभग 9 करोड़ रुपए कीमत वाला विशेष इंजेक्शन ही उपचार का मुख्य विकल्प है, जिससे बच्चे की जान बचाई जा सकती है। मध्यमवर्गीय परिवार के माता-पिता के लिए इतनी बड़ी राशि जुटाना असंभव है। इसलिए वे शासन और समाज से सहायता की अपील कर रहे हैं। कलेक्टर शिवम वर्मा ने उनकी बात गंभीरता से सुनकर सकारात्मक आश्वासन दिया तथा मीडिया व समाज के माध्यम से बच्ची की मदद के लिए आगे आने की अपील की। अनिका की मां सारिका, जो इंदौर की ही रहने वाली हैं, महीनों से बेटी को बचाने के लिए मदद की हर संभावना पर दस्तक दे रही हैं। राजगढ़ में केवल 20 लाख रुपए ही जुट पाए, जिसके बाद परिवार इंदौर पहुंचा। यहां कई जनप्रतिनिधि आगे आए।

# पुलिस जनसुनवाई में मध्यस्थता केंद्र की मदद से लेन-देन का केस निपटा

## दो महत्वपूर्ण मामलों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया

**इंदौर।** पलासिया स्थित कंट्रोल रुम में आयोजित जनसुनवाई में 47 शिकायतें आई। सभी शिकायतों को सुनकर पुलिस आयुक्त ने उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आदेशित किया। इसी क्रम में दो महत्वपूर्ण मामलों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। जनसुनवाई में पहली बार इस तरह का मामला सामने आया। इसमें पुलिस ने केस दर्ज न करते हुए आपसी बातचीत से सुलह कराई।

66 वर्षीय सतीश कुमार शर्मा निवासी सेक्टर श्री ऋषि पैलेस थाना द्वारकापुरी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल का ऋण एलएंडटी फाइनेंस कंपनी से कराया था।

इस प्रक्रिया में कंपनी के कर्मचारी संतोष जाट को उन्होंने 30,000 रुपए जमा करने के लिए दिए थे, परन्तु यह राशि कंपनी में जमा नहीं की गई। जनसुनवाई के दौरान दोनों पक्षों को मध्यस्थता केंद्र के माध्यम से बुलाया गया। समझाइश के बाद अनावेदक ने तत्काल आवेदक को 30,000 नगद वापस कर दिए।

दूसरे प्रकरण 44 वर्षीय अतुल श्रीवास्तव निवासी क्लिफ्टन पार्क, कबीटखेड़ी थाना लसूडिया की शिकायत पर कार्रवाई की गई। प्रकरण क्रमांक 585/25 में 17 नवंबर को अनावेदक गगन कलसी पिता राजेंद्र सिंह कलसी से मध्यस्थता केंद्र के माध्यम से आवेदक को 44 ग्राम सोना और 2,00,000 नकद, कुल लगभग 6,00,000 रुपए वापस दिलाए। इस मामले का भी समाधान मध्यस्थता केंद्र से हुआ।

# उत्कृष्ट कार्य करने पर 18 पुलिसकर्मी सम्मानित, पुलिस कमिश्नर ने दिए पत्र

**इंदौर।** पुलिस कमिश्नरेट में नागरिकों के लिए बेहतर पुलिसिंग सुनिश्चित करने और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से साप्ताहिक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस आयुक्त ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 18 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में आजाद नगर थाने की उपनिरीक्षक रचना परमार को ऑपरेशन मुस्कान के तहत अपहृता को दस्तयाब करने, गांधीनगर थाने के उपनिरीक्षक सुरेंद्र मेहता को गुमशुदगी के एक प्रकरण में, एरोड्रम थाने की उपनिरीक्षक रुपाली श्रीवास्तव को गुमशुदा नाबालिग को खोजने में, खजराना थाने के कार्यवाहक प्रधान आरक्षक ब्रजेश खिंची, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक नरेश चौहान, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक अजित यादव, आरक्षक एजल सिंह गुर्जर तथा आरक्षक प्रदीप सूर्यवंशी को अंधे कत्ल का पदार्फाश करने सम्मानित किया गया।

इसी तरह थाना सेन्ट्रल कोतवाली के सहायक उपनिरीक्षक जगन्नाथ सिंह, प्रधान आरक्षक सूबेदार सिंह को वाहन चेकिंग के दौरान वाहन चोरी का खुलासा करने, द्वारकापुरी थाने के आरक्षक अनुराग सिंह, कृष्णचंद्र शर्मा, अरुण माथुर तथा गौरव परमार को 325 ग्राम सोने की ठगी का मामला सुलझाने, आसूचना विभाग के प्रधान आरक्षक विनोद शर्मा को थाना हीरानगर के अंधे कत्ल के फरार आरोपी को पकड़ने, अपराध शाखा के उपनिरीक्षक अमित कटियार को 25.39 ग्राम एमडी ड्रग्स जप्त करने, कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक मंगलेश्वर बघेल को आर्म्स एक्ट के मामले में 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी को पकड़ने, आरक्षक मुकेश यादव को 55.85 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर जब्त करने पर पुरस्कार के लिए चुना गया है।

संपादकीय

# शेख हसीना-प्रायोजित मृत्यु दंड

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वहां इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल ने मानवता के खिलाफ अपराध करने का दोषी ठहराकर सजा ए मौत सुनाई है। पिछले साल जुलाई में बांग्लादेश में शेख हसीना के खिलाफ भड़के छात्र विद्रोह में पुलिस व सेना की कार्रवाई में 1400 लोग मारे गए थे। इसका दोष वहां की अंतरिम मोहम्मद युनूस सरकार ने शेख हसीना पर मढ़ते हुए उन्हें सजा देने के लिए भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है। हालांकि भारत इसे मानेगा, इसकी संभावना नहीं के बराबर है। क्योंकि शेख हसीना भारत की पक्की दोस्त रही हैं और भारत अपने मित्रों को कभी धोखा नहीं देता। शेख हसीना को जिस तरह मौत की सजा सुनाई गई है, उसकी आशंका पहले से ही थी। क्योंकि यह प्रायोजित और नैसर्गिक न्याय के खिलाफ चलाया गया मुकदमा था। इसमें शेख हसीना को अपना पक्ष रखने का मौका ही नहीं दिया गया। इक तरफ सबूतों और गवाहियों के आधार पर मृत्यु दंड सुना दिया गया। फैसले के मुताबिक हसीना को 30 दिन के भीतर सरेंडर करना होगा। साथ ही उनके पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी मौत की सजा सुनाई गई है। फैसले में अवामी लीग के इस नेता को हिंसक दमन का 'मास्टरमाइंड और प्रमुख सूत्रधार' बताया गया। खुद शेख हसीना ने इस फैसले को सिरे से खारिज कर दिया है। भारत ने भी इस फैसले को अमान्य कर दिया है। खास बात यह है कि शेख हसीना को सजा सुनाने वाली अदालत खुद को अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण कहती है, जिसकी स्थापना 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान हुई थी। उधर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र हर हाल में मौत की सजा के खिलाफ है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने सोमवार को अपनी दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में साफ कहा कि संयुक्त राष्ट्र हर हाल में मौत की सजा के खिलाफ है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर टर्क ने भी मामले की निष्पक्ष सुनवाई की बात कही थी। वैसे भी अब यह साफ हो चुका है कि शेख हसीना के खिलाफ जो कथित छात्र आंदोलन खड़ा किया गया था, वह कट्टरपंथियों द्वारा हसीना को हटाने की छुपी चाल थी। अब सवाल यह है कि क्या भारत बांग्लादेश की हसीना के प्रत्यर्पण की बात मानेगा? इसकी संभावना न्यूनतम है। शेख हसीना के पास बांग्लादेश की कोर्ट में 17 दिसंबर 2025 तक सरेंडर कर अपील करने का कानूनी विकल्प उपलब्ध है। हसीना फैसले के खिलाफ तब तक अपील नहीं कर सकती जब तक कि वह फैसले के 30 दिनों के भीतर सरेंडर नहीं कर देती या गिरफ्तार नहीं हो जाती। यानी उनके पास इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल बांग्लादेश के इस फैसले को चुनौती देने के लिए 17 दिसंबर 2025 तक का ही वक्त है। यदि शेख हसीना इस तारीख तक बांग्लादेश की किसी कोर्ट में सरेंडर नहीं करतीं या गिरफ्तारी नहीं देती हैं, तो अपील का कानूनी अधिकार अपने आप समाप्त हो जाएगा। उनके पास दूसरा विकल्प यह है कि वो भारत में ही रहें और भारत सरकार से उम्मीद करें कि वो उन्हें किसी हाल में बांग्लादेश को न सौंपे। असदुज्जमां खान भी भारत में ही हैं। हालांकि दोनो देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि है। लेकिन इसमें कुछ पतली गलियां भी हैं, जिनके आधार पर भारत सरकार हसीना को सौंपने से इंकार कर सकती है। उधर बांग्लादेश में इस फैसले का व्यापक विरोध हो रहा है। युनूस सरकार ने शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी पर प्रतिबंध लगा दिया है। कुल मिलाकर हालात और खराब होने का अंदेशा है। परिस्थितियां गृह युद्ध भड़कने की ओर इशारा कर रही हैं। भारत को भी सतर्क रहना होगा।

नजरिया

अजित लाड

वरिष्ठ पत्रकार और विश्लेषक

# एग्जिट पोल- डेटा, धारणा और लोकतंत्र का वैज्ञानिक चेहरा

**बिहार का 2025 का विधानसभा चुनाव एक बड़ी सीख देता है। लोकतंत्र सिर्फ राजनीति की समझ पर नहीं चलता, बल्कि यह डेटा, सांख्यिकी, समाजशास्त्र और वैज्ञानिक पद्धतियों पर भी आधारित है। एग्ज़िट पोल कोई जादू नहीं हैं; वह तो हजारों वोटरों के व्यवहार, सामाजिक पैटर्न, मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों और सांख्यिकीय विश्लेषण का संयुक्त परिणाम होते हैं। वे 100 फीसदी शुद्ध नहीं हो सकते। क्योंकि, समाज और मनुष्य दोनों गतिशील हैं।**

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के आधिकारिक नतीजों ने एक दिलचस्प और महत्वपूर्ण तथ्य उजागर किया। इस बार एग्जिट पोल्स ने लगभग वही रुझान दिखाए, जो अंततः मतगणना में सामने आया। यह वही बिहार है, जहां 2015 के चुनाव में अधिकांश एग्ज़िट पोल बुरी तरह चूक गए थे और 2020 में भी कई अनुमानों ने विचलन दिखाया था। लेकिन, 2025 के चुनाव ने यह भरोसा मजबूत किया कि यदि सैंपलिंग वैज्ञानिक, बूथ चयन सटीक और जनसांख्यिकीय विश्लेषण गहरा हो, तो एग्ज़िट पोल महज अनुमान नहीं, बल्कि एक विश्वसनीय शोध-संकेतक बन सकते हैं।

सबसे पहले बात कामख्या एनालिटिक्स की। इस एजेंसी ने एनडीए के लिए 167-187 सीटों की रेंज दी थी और अंतिम नतीजे जब इसी के आसपास ठहर गए। इससे साफ हो गया कि इसकी सैंपलिंग रणनीति सबसे अधिक सटीक साबित हुई। बिहार जैसे राज्य में, जहाँ जातीय-सामाजिक जटिलताएं बहुत गहरी हैं, इस स्तर की भविष्यवाणी आसान नहीं होती। इसका अर्थ है कि कामाख्या ने बूथ चयन, जातिगत वेटेज और क्षेत्रीय विविधताओं का अध्ययन इतनी बारीकी से किया कि जमीनी संकेत सही पैमाने में कैप्चर हो गए।

मेट्राइज़ (147-167) और टुडेज़ चाणक्य (148-172) ने भी एनडीए को स्पष्ट बहुमत में दिखाया था और वास्तविक नतीजों ने उनके अनुमानों को लगभग पूरी तरह सही साबित किया। विशेषकर चाणक्य की मॉडलिंग जो पिछले कुछ वर्षों में अपनी उच्च सटीकता के लिए पहचानी जाती है, एक बार फिर भरोसेमंद निकली। महागठबंधन के लिए कामाख्या (54-74), मेट्राइज़ (70-90) और चाणक्य (65-89) द्वारा दी गई रेंज भी परिणामों से काफी मेल खाती रही। जो बताती है कि इन एजेंसियों ने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की ताकत का संतुलित आकलन किया था। छोटे दलों की भविष्यवाणी करना आमतौर पर सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि उनका वोट बिखरा हुआ होता है और उनका प्रभाव क्षेत्र-विशेष तक सीमित रहता है। लेकिन, इस बार यहाँ भी सटीकता उल्लेखनीय रही। उदाहरण के तौर पर मेट्राइज़ ने जेएसपी/जेएसयूपी को ठीक 5 सीटें दी। जबकि, एक्सिस माय इंडिया ने 0-2 सीटों की संभावना जताई थी और चुनाव परिणाम इन्हीं अनुमानों के आस-पास रहे। पीपुल्स पल्स ने एनडीए के लिए 133-159 और महागठबंधन के लिए 75-101 का व्यापक रेंज दिया था, फिर भी उसका आकलन अंतिम ट्रेंड की दिशा के बिल्कुल अनुरूप रहा। इसी तरह भास्कर एग्जिट पोल (145-160 / 73-91) भी बिना किसी बड़े विचलन के, राजनीतिक हवा को पढ़ने में सफल रहा।

अन्य एजेंसियां जैसे पी-मार्क, पोल स्टार्ट और पीपुल्स इनसाइट ने भले ही अपेक्षाकृत व्यापक रेंज दी हो, लेकिन इन सभी का सामूहिक संकेत एक ही दिशा में था एनडीए की बढ़त। जब अलग-अलग स्थानों पर काम कर रही टीमें, अलग-अलग मॉडलिंग पद्धतियों, सैंपलिंग फ्रेम्स और डेटा-संग्रह तकनीकों के बावजूद एक ही निष्कर्ष पर पहुंचे, तो यह किसी भी चुनाव विश्लेषण के लिए 'डेटा-संगति' का मजबूत प्रमाण होता है। इस बार लगभग सभी प्रमुख एजेंसियों ने बूथ कवरेज का विस्तार किया, डेमोग्राफिक मैपिंग को सूक्ष्म रखा, वोटर प्रोफाइलिंग को वैज्ञानिक दृष्टि से व्यवस्थित किया और सैंपलिंग विधि को पिछले चुनावों की तुलना में कहीं अधिक परिशुद्ध बनाया। बिहार जैसे राज्य में, जहाँ स्थानीय मुद्दे, जातीय समीकरण और क्षेत्रीय प्राथमिकताएँ लगातार बदलती रहती हैं, यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। इसी का परिणाम है कि अधिकांश एग्ज़िट पोल असली नतीजों के बेहद करीब उतर आए।

चुनावी परिणामों के बाद एक और तथ्य सामने आया कुछ राजनीतिक हलकों में जिस 'फेक एग्ज़िट पोल' का नैरेटिव गढ़ने की कोशिश की गई थी, वह इस बार पूरी तरह धराशायी हो गया। सामूहिक सटीकता इतनी प्रबल थी कि किसी भी तरह के आरोप स्वतः ही निरर्थक साबित हो गए। जनता ने भी देखा कि इस बार एग्ज़िट पोल न वास्तविकता से दूर थे, न किसी एकतरफ़ा झुकाव वाले प्रतीत हुए। 2025 का यह चुनाव एक बड़ी सीख छोड़ता है। लोकतंत्र सिर्फ राजनीति की समझ पर नहीं चलता, बल्कि डेटा, सांख्यिकी, समाजशास्त्र और वैज्ञानिक पद्धतियों पर भी आधारित है। एग्ज़िट पोल कोई जादू नहीं हैं; वे हजारों वोटरों के व्यवहार, सामाजिक पैटर्न, मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों और सांख्यिकीय विश्लेषण का संयुक्त परिणाम होते हैं। वे 100 फीसदी शुद्ध नहीं हो सकते। क्योंकि, समाज और मनुष्य दोनों गतिशील हैं।

यदि सर्वेक्षण ईमानदार हों, सैंपलिंग वैज्ञानिक हो और डेटा वास्तविकता का प्रतिनिधित्व करता हो, तो एग्ज़िट पोल ज़रूर चुनावी माहौल का विश्वसनीय संकेतक बनते हैं। बिहार चुनाव 2025 ने इस तथ्य को सबसे सशक्त रूप में सिद्ध किया है। यह चुनाव न केवल राजनीतिक दलों के लिए, बल्कि चुनाव-अध्ययन और डेटा-विश्लेषण की दुनिया के लिए भी एक महत्वपूर्ण अध्याय बन गया है। यह संदेश स्पष्ट है वैज्ञानिक दृष्टि, पारदर्शी डेटा और सटीक मॉडलिंग लोकतंत्र को अधिक मजबूत और विश्वसनीय बनाती है। एग्ज़िट पोल इस बार सिर्फ अनुमान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक समझ का एक वैज्ञानिक दर्पण बनकर उभरे हैं और यह निस्संदेह एक सुखद और प्रेरक संकेत है।

जलवायु सम्मेलन

कुमार सिद्धार्थ

लेखक पिछले चार दशक से पत्रकारिता और सामाजिक विकास के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

# अमेज़न को कौन कर रहा है बर्बाद?

दुनिया के सबसे विशाल वर्षावन अमेज़न पर खतरा अब किसी दूर की आशंका नहीं, बल्कि एक निकट आती सच्चाई है। वनों की अंधाधुंध कटाई, तेल और गैस के उत्खनन तथा जलवायु परिवर्तन ने इसे उस बिंदु तक पहुँचा दिया है जहाँ से लौटना शायद संभव नहीं रहेगा। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि अमेज़न अब 'कार्बन सोखने वाले' वन से 'कार्बन छोड़ने वाले' क्षेत्र में बदलने की कगार पर है।

ऐसे समय में जब संयुक्त राष्ट्र का जलवायु सम्मेलन सीओपी-30 ब्राज़ील के बेलें शहर में चल रहा है, एक नई रिपोर्ट ने उस वित्तीय ढाँचे को बेनकाब किया है जो अमेज़न के विनाश की जड़ों में छिपा है।

पर्यावरण संगठन स्टैंड.अर्थ की रिपोर्ट 'बैंक्स वर्सेस द अमेज़न स्कोरकार्ड' बताती है कि 2016 में पेरिस समझौते के बाद से अमेज़न क्षेत्र में तेल और गैस परियोजनाओं को मिलने वाले वित्त का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा सिर्फ दस बैंकों से आता रहा है। इनमें जेपी मॉर्गन चेज़, सिटी, बैंक ऑफ अमेरिका, इताउ यूनिबैंको (ब्राज़ील) और एचएसबीसी जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इन बैंकों ने अमेज़न के भीतर जीवाश्म ईंधन से जुड़ी परियोजनाओं में 15 अरब डॉलर से अधिक झोंक दिए हैं। पिछले कुछ वर्षों में यूरोप के कई बैंकों ने अपने कदम पीछे खींचे हैं। फ्रांस का बीएनपी परिबा और ब्रिटेन का एचएसबीसी अब अमेज़न से जुड़ी कंपनियों को ऋण देना बंद कर चुके हैं। उन्होंने ऐसी नीतियाँ अपनाई हैं जो अमेज़न में तेल और गैस उत्खनन करने वाली कंपनियों को वित्त नहीं देतीं।

लेकिन जहाँ यूरोपीय बैंक पीछे हटे, वहीं अमेरिका और लैटिन अमेरिका के बैंक उस खाली जगह को भरने में लगे हैं। ब्राज़ील का इताउ यूनिबैंको अब शीर्ष पर पहुँच गया है — सिर्फ पिछले 18 महीनों में उसने 378 मिलियन डॉलर की नई फंडिंग दी है। जेपी मॉर्गन चेज़ और बैंक ऑफ अमेरिका उससे थोड़ा पीछे हैं। इसी अवधि में पेरू के क्रेडिकॉर्प और कनाडा के स्कोटियाबैंक ने भी अपने निवेश को लगभग तीन गुना बढ़ा दिया है।रिपोर्ट की प्रमुख शोधकर्ता डॉ. देवयानी सिंह का कहना है कि यूरोपीय बैंकों ने अपेक्षाकृत सख्त नीतियाँ लागू की हैं, लेकिन कोई भी बैंक अब तक अपने वित्तपोषण को शून्य नहीं कर पाया। हर बैंक को लूप होल बंद करने होंगे और बिना देरी अमेज़न से बाहर निकलना होगा।

द इकोलॉजिस्ट में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, अमेज़न में तेल और गैस की खुदाई सिर्फ पर्यावरण को ही नहीं, बल्कि स्थानीय जीवन को भी गहराई से प्रभावित कर रही है। ब्राज़ील, इक्वाडोर, पेरू और कोलंबिया में 6,000 से अधिक तेल-दूषित स्थल दर्ज किए गए हैं। उत्खनन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले समुदायों में कैंसर, गर्भपात और श्वसन रोगों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसके बावजूद, सरकारें पीछे हटने को तैयार नहीं। ब्राज़ील ने इस साल की शुरुआत में 68 नए तेल ब्लॉक की नीलामी की। इक्वाडोर में यासुनी नेशनल पार्क में ड्रिलिंग रोकने के लिए 2023 में हुए जनमत-संग्रह के बाद भी काम जारी है। पेरू में 31 नए तेल ब्लॉक आवंटित किए गए हैं, जिनमें से कई 400 से अधिक स्वदेशी समुदायों की भूमि से ओवरलैप करते हैं।

अमेज़न की ओलिविया बिसा कहती हैं, जब जंगल खुद संकट में है, तब बैंक ऑफ अमेरिका, स्कोटियाबैंक और इताउ जैसे बैंक इन परियोजनाओं को बढ़ावा दे रहे हैं। दशकों से हमारे समुदाय इस विनाश का सबसे बड़ा भार उठा रहे हैं। अब समय आ गया है कि बैंक अमेज़न को तेल की लत से मुक्त करें। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 से अब तक अमेज़न क्षेत्र में 2 अरब डॉलर से अधिक की नई फंडिंग केवल छह कंपनियों को मिली है- पेट्रोब्रास, एनेवा, गनवोर, ग्रैन टिएरा, प्लसपेट्रोल कैमिसेआ और हंट ऑयल पेरू। इन सभी पर भ्रष्टाचार, पर्यावरणीय क्षति और स्वदेशी अधिकारों के उल्लंघन के आरोप हैं।

ब्राज़ील की कंपनी एनेवा को हाल ही में संघीय अदालत ने अपनी गतिविधियाँ रोकने का आदेश दिया था क्योंकि उसने स्वदेशी समुदायों के अधिकारों और पर्यावरण कानूनों का उल्लंघन किया था। फिर भी, उसे इताउ यूनिबैंकों, बैंकों डो ब्रासिल, सैंटेंडर और अन्य बैंकों से वित्त मिलता रहा।

इसी तरह, स्विस कंपनी गनवोर को 2013 से 2020 के बीच इक्वाडोर में अधिकारियों को रिश्वत देकर तेल अनुबंध हासिल करने का दोषी पाया गया, लेकिन इसके बावजूद उसे आईएनजी बैंक से वित्तीय सहायता मिलती रही। इससे यह साफ़ होता है कि आंशिक प्रतिबंध और 'प्रोजेक्ट-लेवल' नीतियाँ अक्सर औपचारिकता से ज़्यादा कुछ नहीं होतीं। रिपोर्ट में सभी बैंकों से अपील की गई है कि वे 2030 तक अमेज़न में तेल और गैस परियोजनाओं के वित्तपोषण को पूरी तरह समाप्त करें - चाहे वह ऋण के रूप में हो, बॉन्ड में निवेश के रूप में या परामर्श सेवाओं के रूप में। साथ ही, उन्हें संयुक्त राष्ट्र की स्वदेशी अधिकारों पर घोषणा (NDRIP) के अनुरूप नीतियाँ अपनाने की सिफारिश की गई है।

स्टैंड.अर्थ की वरिष्ठ अभियानकर्ता मार्टीना डोमिनियाक कहती हैं, कॉप-30 सम्मेलन बैंकों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है कि वे अमेज़न में जीवाश्म ईंधनों के वित्तपोषण को बंद करने की ठोस घोषणा करें। यह सिर्फ पर्यावरण नहीं, बल्कि जीवन के अधिकार का सवाल है।

आज अमेज़न वह साँस है जिससे पृथ्वी जीवित है। पर यदि यह साँस रुक गई, तो इसका असर पूरे ग्रह पर पड़ेगा। आने वाला दशक तय करेगा कि यह महान वन जीवित रहेगा या इतिहास बन जाएगा। कॉप-30 सम्मेलन के दौरान यह सवाल सिर्फ सरकारों या पर्यावरणविदों के लिए नहीं, बल्कि उन बैंकों के लिए भी है जिनके धन से यह विनाश चल रहा है। अगर उन्होंने दिशा बदली, तो बेलें में चल रहा यह सम्मेलन अमेज़न को बचाने की नई शुरुआत कर सकता है। और अगर नहीं, तो यह सभ्यता की सबसे हरी विरासत को खो देने की औपचारिक घोषणा होगी।

# बिहार की औरतों को क्यों दोष दिया जा रहा?

विधानसभा चुनाव 2025

डॉ. तेजी ईशा

लेखक एसजीटी यूनिवर्सिटी के पत्रकारिता विभाग में कार्यरत हैं।

बिहार विधानसभा का रिजल्ट आया। रिजल्ट में एनडीए को बहुमत मिला, फिर से नीतीश सरकार के बनने का रास्ता साफ हुआ। ये फैसला बिहार की जनता का था। स्त्री-पुरुष दोनों मतदाताओं का था। अगर बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम देखेंगे तो सत्ता पक्ष के सामने विपक्ष कहीं टिका ही नहीं। एक तरफा चुनाव था, ये परिणाम से साफ हुआ। लेकिन इस बार महिला मतदाताओं ने बढ़चढ़ कर वोट किया। बिहार में महिला मतदाताओं के वोट प्रतिशत आज ही नहीं बढ़े हैं। वर्ष 2005 के बाद से हर चुनाव में महिलाओं मे वोटिंग में आगे बढ़ के हिस्सा लिया है। इस मामले में कोरोना काल में हुए चुनाव अपवाद हो सकते हैं। फिर इस बार ऐसा क्या हो गया कि ज्यादा संख्या में वोट करने के लिए महिलाओं को लालची बताया जा रहा? उन्हें तरह-तरह से बिकाऊ बोला जा रहा? दस हजार के लिए पलायन और बेरोजगारी खत्म न करने वाला बताया जा रहा?

असल में चुनाव से ठीक पहले नीतीश सरकार ने मुख्यमंत्री रोजगार योजना के तहत राज्य के उन महिलाओं के खाते में दस हजार रुपये डाले जो जीविका समूह से जुड़ी हुई थीं। विपक्षी नेताओं को, कई जानकारों को और कई पत्रकारों को लगता है कि केवल इसी वजह से नीतीश सरकार या एनडीए को महिलाओं का वोट मिला। जबकि ये सरासर गलत बात है। आप कह सकते हैं कि इस योजना ने महिलाओं को सरकार के पक्ष में वोट करने का एक और कारण दे दिया लेकिन केवल दस हजार रुपए मिलने की वजह से महिलाओं ने वोट किया, ये गलत है। सरासर गलत है।

नीतीश कुमार जब पहली दफा राज्य के मुखिया बने तभी से उन्होंने महिला मतदाताओं को ध्यान में रख ये योजनाएं चलाईं। 2008 में नीतीश कुमार ने हाई स्कूल जाने वाली लड़कियों को साइकिल दिलाया था। देखते-देखते गाँव-देहात की फिजा बदल गई थी। स्कूली ड्रेस पहने लड़कियां झुंड में साइकिल से स्कूल जाने लगीं। जब लड़कियां बाहर निकलीं तो कुछ शोहदे उनको परेशान करने लगे। नीतीश कुमार ने बिना 'एनकाउंटर' किए लड़कियों को भरोसा दिलाया कि अगर उन्हें कोई परेशान करेगा तो पुलिस उसका इलाज करेगी। फिर पंचायत में महिलाओं के लिए आरक्षण। बिहार पुलिस में लड़कियों के लिए आरक्षण का इंतजाम इस मुख्यमंत्री ने किया।

शराब पीकर जब घर के मर्द नाटक करने लगे। घर की बेटी-पत्नी को मारने-पीटने लगे तो नीतीश ने शराबबंदी जैसा सख्त कदम उठाया। राज्य सरकार को करोड़ों का नुकसान हुआ लेकिन उन्होंने वो फैसला वापिस नहीं लिया। इससे भी राज्य की महिलाओं में एक भरोसा जगा। और इन सभी वजहों से हर विधानसभा चुनाव में महिलाओं ने नीतीश का समर्थन किया। कम या जायदा। इस चुनाव में तो एक नई पार्टी भी थी। वो पार्टी कह रही थी कि हम चुनाव जीते तो सबसे पहले शराबबंदी खत्म करेंगे। उस पार्टी और उस दल के मुखिया ने ये भी नहीं सोचा कि एक बार महिलाओं से राय ले लें। उनसे पूछ लें। समझ लें। इससे उलट नीतीश कुमार ने अपने पूरे टर्म में। बीस साल के शासनकाल में महिलाओं को आगे रखा। अपने शुरुआती समय में नियमित तौर से महिलाओं की पंचायतें बिठाते थे और उसमें खुद जाते थे। वहाँ घंटों बैठ के महिलाओं की बातें सुनते थे।

मेरे कहने का मतलब कि नीतीश सरकार ने अपनी शुरुआती दिनों से राज्य की महिलाओं को एक अलग वोट के तौर पर देखा है। उन्होंने लड़कियों को 'जहां परिवार कहेगा वहीं वोट डालने की मशीन' नहीं माना। और इस वजह से राज्य की महिलाएं हर चुनाव में नीतीश में अपना भरोसा जताती रहीं हैं। इसलिए ये कहना बंद कर देना चाहिए कि महिलाओं ने कुछ पैसे के लालच में अपना वोट बेच दिया। उन्होंने नीतीश को वोट दिया क्योंकि नीतीश ने उन्हें पुरुषों से अलग समझा। उनकी आवाज। उनकी जरूरतों को समझा। उसके मुताबिक सरकार के नियम बनाए। सरकारी योजनाओं में महिलाओं को उनका हिस्सा दिलवाया।

और अगर एक मिनट के लिए मान भी लिया जाए कि महिलाएं दस हजार के चक्कर में बिक गईं तो राज्य के पुरुष तो सालों से शराब और एक समय के खाने के लिए बिकते रहे हैं। तब तो कोई पुरुषों को निशाना नहीं बनाता फिरता था। एक बार आखिर में कह दूँ, अगर राज्य के नेता और विपक्षी पार्टियां ये मान के आज बैठ गईं कि नीतीश सरकार को महिलाओं ने वोट केवल दस हजार रुपये के चक्कर में दिया है तो यकीन मानिए, आज से पाँच साल बाद होने वाले वाला चुनाव भी वो हार चुके हैं, क्योंकि इस चुनाव में उनकी हार के असल वजह वो खोज ही नहीं पाए। और अगर सही वजह ही नहीं खोज पाए तो उसे ठीक क्या खाक करेंगे!

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
**प्रधान संपादक**
उमेश त्रिवेदी
**कार्यकारी प्रधान संपादक**
अजय बोकिल
**संपादक (मध्यप्रदेश)**
विनोद तिवारी
**स्थानीय संपादक**
हेमंत पाल
**प्रबंध संपादक**
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

जवाहर चौधरी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

# गोपीचंद बॉडी सप्लायर

इधर साहित्य के इलाके में बादल बहुत घुमड़ रहे हैं। दिन दिन भर अंधेरा छाया रहता है, रात रात भर चांद-तारे गायब रहते हैं। जितने भी लोग बादल देखते हैं उनमें से आधे दन्न से कवि हो जाते हैं। बचे हुए में से आधे लघुकथाकार और बाकी से व्यंग्यकार, कथाकार, निबंधकार वगैरह पैदा होते हैं। उम्मीद तो रहती है कि बादल से पानी बरसेगा लेकिन टपकते हैं साहित्यकार और कुछ परजीवीनुमा भी आ जाते हैं मैदान में। अब आए हैं तो गीला भी होगा, कुछ कीचड़ भी और कुछ नाले -नदी, तालाब में भी पहुंचेंगे। भाई पानी तो पानी है, जिधर ढलान मिलेगी वह चल पड़ेगा। इसमें कोई रोक तो है नहीं।

इस झरते बरसते मौसम में साहित्य की सेवा यदि कोई कर रहा है तो वह प्रकाशक है। आप साहेबान दनादन लिखिए हम धड़ाधड़ छापेंगे। बस हो गया काम, आपका भी और हमारा भी। क्यों लिखना है, किसके लिए लिखना है, पाठक क्या होता है, क्या चाहता है इसकी परवाह करने की जरूरत नहीं होना चाहिए। इस तरह के सवाल कोई कमबख्त करे तो उसे मौका मिलते ही सूखे कुवें में डाल दो। जिसके भाग्य में जो लिखा है उसे वो भुगतना ही पड़ता है। पाठक लोग कोई दूसरी दुनिया के नहीं हैं।

साहित्य सेवा के लिए प्रकाशक बेचारे को खूब सारे गीले-सूखे शब्द चाहिए जिन्हें वह किताब में बदल सकें। लेखक और प्रकाशक राजस्थानी समधी की तरह होते हैं। खूब गले मिलते हैं लेकिन रियायत जरा भी नहीं करते हैं। मजे की बात यह है कि यह गलाकाट रिश्ता एक बार बनता है तो जीवन भर के लिए बन जाता है। यहां तक कोई समस्या नहीं है। याद दिला दें कि पुस्तक प्रकाशन के बाद भी पाठक की किसी को याद नहीं आती है। अब अगर पुस्तक का विमोचन नहीं हो तो मतलब क्या है साहित्य सेवा का!! लिखी, छपी, हाथ में आ गई, अब इसका कुछ तो करना पड़ेगा। विमोचन के अलावा और किया भी क्या जा सकता है। किसी आयोजन वैज्ञानिक को साथ में ले लो तो सब काम आसान हो जाता है। मतलब अतिथि, मुख्य अतिथि वगैरह वही फिट करवा देता है।

हॉल, फोटोग्राफर, प्रेस रिपोर्टर और खाने-पीने का बढ़िया इंतजाम आपकी जेब को ही करना है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत आती है आयोजन में लोगों की उपस्थिति को लेकर। लोग आते नहीं हैं आजकल, जाहिल कहीं के। चाय-समोसा खिलाओ तो भी हॉल नहीं भर पाता है। लेखक को मजबूरन गोपीचंद बॉडी सप्लायर के पास जाना पड़ता है।

गोपीचंद हर मौके के लिए 'बॉडी' सप्लाई करता है। चाहे शादी हो, बारात, उठावना या पुस्तक विमोचन। वह सजी-धजी, धोई-धुलाई बॉडीज भेजता है। पॉलिश किए जूते, इस्तरीदार कपड़े और चेहरे पर साहित्यिक गहराई का भाव अलग से। विमोचन कार्यक्रम थोड़ा बोरिंग होता है, इसलिए बीच-बीच में तालियाँ भी बजानी पड़ती हैं, मौके बेमौके वाह वाह भी करना पड़ती है। यही कारण है कि इस प्रजाति की बॉडी थोड़ी महँगी मिलती है। लेकिन भैया, जब साहित्य में सिर दे ही दिया है तो सस्ता महंगा क्या देखना! अगले दिन अखबार में इस खबर के साथ फोटो छपेगी - 'लेखक महोदय का गरिमामय विमोचन समारोह संपन्न।' तो फटाक से फेमस भी तो हो जाओगे। किताबों को तो कहीं जाना नहीं है, अपने घर में ही पड़ी रहेंगी। तो भाई लोगों आगे-पीछे मत देखो.... चले चलो, बढ़े चलो।

दृष्टिकोण

सत्यप्रकाश नायक

लेखक जेंडर समानता के मुद्दे पर कार्य करते है।

# क्या हमारी भाषा में बेटियों को बराबरी और सम्मान मिलता है?

**शब्द केवल वाक्य नहीं होते, वे धारणाएँ गढ़ते हैं। उदाहरण के लिए, जब हम कहते हैं छात्रों को निर्देश दिया गया, तो सामान्यत : माना जाता है कि इसमें सभी बच्चे शामिल हैं। लेकिन अगर ऐसा ही होता, तो 'छात्रा' शब्द की आवश्यकता क्यों होती? इसी तरह कक्षा में रोज सुनी जाने वाली आवाजें कौन करेगा?, कौन लाएगा?, कौन जाकर बोर्ड साफ़ करेगा? हमेशा पुल्लिंग में होती हैं। कक्षा में बैठी लड़कियाँ अनजाने ही इन वाक्यों से बाहर रह जाती हैं। यदि शिक्षक कहते कौन करेगा या करेगी? तो भाषा में ही बराबरी की खिड़की खुल जाती।**

हाल ही में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत ने पूरे देश में उत्साह का माहौल बना दिया। टीवी चैनलों पर हेडलाइन दिखाई देती रहीं 'भारत की बेटियाँ चमकीं', 'बेटियों ने रचा इतिहास', 'टीम इंडिया की शेरनियों ने दिल जीता।' सोशल मीडिया पर गर्व से भरी पोस्टों की बाढ़ आ गई। देशभर के लोग बेटियों की उपलब्धि पर न केवल खुश हुए, बल्कि भावुक होकर बोले 'हमारी बेटियाँ किसी से कम नहीं हैं।' यह दृश्य दिल को छू लेने वाला था।

लेकिन इस जश्न के बीच एक विचार भी मन में उठता है क्या हमारे समाज और हमारी भाषा में बेटियों को हमेशा यही बराबरी और सम्मान मिलता है? क्या हमारी रोज़मर्रा की भाषा उतने ही सहज रूप से बेटियों के पक्ष में खड़ी होती है जितना कि एक बड़ी जीत के बाद दिखाई देती है?

इसी सवाल से यह चर्चा शुरू होती है। 'बेटा, तुम बहुत अच्छा कर रही हो!' यह वाक्य हमारे समाज और शिक्षा व्यवस्था में लगभग हर दिन सुनाई देता है। बच्ची जब कोई अच्छा काम करती है, तो शिक्षक, अभिभावक या रिश्तेदार उसे प्रोत्साहित करते हुए अक्सर 'बेटा' कहकर सराहते हैं। यह सुनने में सामान्य लगता है, क्योंकि हमारे सामाजिक परिवेश में 'बेटा' शब्द सफलता और उत्कृष्टता का मानक बन चुका है।

लेकिन क्या कभी किसी लड़के से कहा गया है बेटी, तुम बहुत अच्छा कर रहे हो? शायद ही कभी। और यदि कहा भी गया हो, तो लोग इसे मज़ाक में टाल देते हैं। यही हमारी भाषा में गहरे छिपा हुआ जेंडर है जो सुनाई तो देता है, पर चुभता नहीं।

भाषा और समाज का रिश्ता बहुत गहरा है। हमारी सोच, दृष्टि और संस्कारों को गढ़ने में भाषा की भूमिका निर्णायक होती है। हम जो बोलते हैं, वही हमारी मानसिकता और दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है, और वही बच्चों की सोच का हिस्सा बन जाता है। जब भाषा में असमानता छिपी होती है, तो वह बच्चों की आत्म-छवि और आत्मविश्वास को भी असमान बना देती है।

बचपन में बच्चे अपने बारे में वही मानने लगते हैं जो वे बार-बार सुनते हैं। यदि किसी बच्ची को सराहने के लिए भी 'बेटा' कहना ज़रूरी समझा जाता है, तो इसका संदेश यही है कि उत्कृष्टता, साहस या नेतृत्व लड़का होने के गुण हैं। इससे अनजाने में बच्ची को यह महसूस होने लगता है कि 'बेटी' होना पर्याप्त नहीं है; उसे मूल्यवान बनने के लिए 'बेटा' कहलाना होगा। दूसरी ओर लड़के को 'बेटी' कहकर सराहना लगभग असंभव है, और यदि कोई ऐसा कर भी दे तो लोग इसे हँसी-ठिठोली में बदल देते हैं। यही भेद भाव बच्चों की पहचान और आत्मविश्वास पर गहरा असर छोड़ता है।

शब्द केवल वाक्य नहीं होते, वे धारणाएँ गढ़ते हैं। उदाहरण के लिए, जब हम कहते हैं छात्रों को निर्देश दिया गया, तो सामान्यत: माना जाता है कि इसमें सभी बच्चे शामिल हैं। लेकिन अगर ऐसा ही होता, तो 'छात्रा' शब्द की आवश्यकता क्यों होती? इसी तरह कक्षा में रोज सुनी जाने वाली आवाजें कौन करेगा?, कौन लाएगा?, कौन जाकर बोर्ड साफ़ करेगा? हमेशा पुल्लिंग में होती हैं। कक्षा में बैठी लड़कियाँ अनजाने ही इन वाक्यों से बाहर रह जाती हैं। यदि शिक्षक कहते कौन करेगा या करेगी? तो भाषा में ही बराबरी की खिड़की खुल जाती।

कुछ विद्यालयों में तो समूहों के नाम तक इस असमानता से प्रभावित होते हैं। कई स्कूलों में केवल पुरुष महापुरुषों गांधी, नेहरू, विवेकानंद, भगतसिंह के नाम पर समूह बनाए जाते हैं। प्रेरणादायक महिलाओं जैसे रानी लक्ष्मीबाई, रानी कमलापति, अवंतिबाई, कल्पना चावला, टेस्सी थॉमस, सुधा मूर्ति या अन्य महिला वैज्ञानिकों, खिलाड़ियों, लेखिकाओं के नाम शायद ही किसी को सूझते हैं। जब बच्चों के सामने आदर्शों के रूप में केवल पुरुष चेहरे आते हैं, तो संदेश यह जाता है कि नेतृत्व और पराक्रम का चेहरा भी मात्र पुरुष ही है।

भाषा की जड़ें बहुत गहरी हैं। यह संवाद का माध्यम होते हुए भी अनजाने ही जेंडर असमानता को ढोती रहती है। 'करेगा', 'लाएगा', 'नेता बना', 'मर्द बनो' जैसे वाक्य हमारे अवचेतन में पुरुष-प्रधान सोच को पुख्ता करते हैं। भाषा ऐसे विचारों को वैधता देती है जिन्हें हम शायद सचेत रूप से नहीं मानते।

पाठ्यपुस्तकों में भी इसी असमानता की झलक है। ज्यादातर उदाहरणों में 'रवि', 'सुमित', 'राजेश' विज्ञान प्रयोग करते, खेल जीतते या पुरस्कार पाते दिखते हैं। जबकि लड़कियों के हिस्से में 'रीना माँ की मदद करती है' या 'सीमा गुड़िया से खेलती है' जैसे दृश्य आते हैं। इससे बच्चों के मन में यह धारणा मजबूत होती है कि सक्रियता और खोज लड़कों का क्षेत्र है, जबकि देखभाल और सहयोग लड़कियों का।

घर और समाज की रोज़मर्रा की भाषा भी इस सोच को बढ़ाती है लड़की होकर ऐसे बोलती है?, बेटी, घर का ध्यान रखो, बेटे, बाहर का काम तुम संभालो। यहाँ शब्दों के जरिए भूमिकाएँ बाँट दी जाती हैं एक भीतर की, एक बाहर की। पड़ोस में भी सुनने को मिलता है हमारे घर का बेटा इंजीनियर बनेगा, जबकि बेटी के लिए कहा जाता है अच्छे घर में शादी होगी। आकांक्षाओं में यह फर्क भाषा ही पैदा करती है।

जर्नल ऑफ लैंग्वेज एंड सोशल साइकोलॉजी (2018) के एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को उनकी पहचान के अनुरूप सकारात्मक संबोधन मिलते हैं, उनमें आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता अधिक विकसित होती है। यानी शब्द बच्चों के भविष्य का आधार गढ़ते हैं। भाषा में छिपी असमानता अवसरों पर भी असर डालती है।

यूनिसेफ़ और यूनेस्को (2023) की रिपोर्ट बताती है कि प्राथमिक स्तर पर लड़कियों का नामांकन 95 फीसदी से अधिक है, पर उच्च माध्यमिक स्तर तक यह घटकर 68 फीसदी रह जाता है। यह कमी केवल संसाधनों से नहीं, बल्कि सामाजिक अपेक्षाओं और भाषा में निहित सोच से भी आती है।

NFHS-5 (2019-21) के अनुसार ग्रामीण इलाकों में 15-19 वर्ष की 16 फीसदी लड़कियाँ स्कूल नहीं जा पातीं; शहरी क्षेत्रों में यह 8 फीसदी है। मध्यप्रदेश में स्थिति और स्पष्ट दिखाई देती है उच्च माध्यमिक स्तर पर लड़कियों की उपस्थिति लड़कों से लगभग 10 फीसदी कम है। वहीं 2025-26 में RTE ऑनलाइन लॉटरी के तहत 83,483 बच्चों को निजी स्कूलों में प्रवेश मिला, जिनमें 40,120 लड़कियाँ थीं, सुधार तो दिखता है, पर समानता अभी भी दूर है। प्राथमिक विद्यालयों में लड़कियों का नामांकन 92 फीसदी है, पर माध्यमिक स्तर पर यह घटकर 70 फीसदी रह जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में 12-14 वर्ष की लगभग 11 फीसदी लड़कियाँ स्कूल छोड़ देती हैं। यह बताता है कि अवसर बढ़े हैं, लेकिन सोच अभी भी बराबरी तक नहीं पहुँची है।

अब सवाल यह है कि इस असमानता को दूर कैसे किया जाए? पहला कदम दैनदिंनी भाषा से शुरुआत करने का है। स्कूलों और शिक्षकों को समझना होगा कि 'बेटा' या 'छात्र' जैसे शब्द केवल लड़कों तक सीमित नहीं होने चाहिए। इनकी जगह 'बच्चों', 'विद्यार्थियों' या 'प्रिय विद्यार्थिनी और विद्यार्थी' जैसे संबोधन अपनाए जा सकते हैं।

शिक्षकों को लैंगिक संवेदनशीलता का प्रशिक्षण होने चाहिए ताकि वे समझ बना सकें कि उनके प्रस्तुत किये जाने वाले शब्द बच्चों की आत्म-छवि पर कितना असर डालते हैं। पाठ्यपुस्तकों में भी लड़कियों को डॉक्टर, वैज्ञानिक, नेता और खिलाड़ी के रूप में प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। स्कूलों को खेल, विज्ञान, वाद-विवाद और सांस्कृतिक गतिविधियों में लड़कियों की समान भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। अभिभावकों को भी संवाद सत्रों के माध्यम से यह समझाया जाना चाहिए कि भाषा और व्यवहार में समानता अपनाना क्यों जरूरी है।

बदलाव कठिन नहीं है, यह केवल सोच और आदत का प्रश्न है। भाषा में जेंडर असमानता को हटाना शायद तुरंत समाज की तस्वीर न बदले, पर यह बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह बदलाव बच्चों को यह एहसास कराएगा कि वे जो हैं, उसी रूप में मूल्यवान हैं चाहे बेटा हों या बेटी।

अंतत: यह स्वीकार करना होगा कि भाषा हमारी सोच को आकार देती है। शब्द केवल मुख से नहीं निकलते, वे हमारे भीतर बसते हैं और आने वाली पीढ़ियों की मानसिकता का आधार बन जाते हैं। यदि हम सचमुच समानता का समाज चाहते हैं, तो भाषा को भी समानता का दर्पण बनाना होगा। यही शिक्षा का सच्चा उद्देश्य है और यही समाज का भविष्य भी।

---

विश्व बाल दिवस पर विशेष

अतुल गोयल

लेखक न्यूयॉर्क की कंपनी में सॉफ्टवेयर डवलपमेंट इंजीनियर हैं।

# मेरा दिन, मेरे अधिकार-हर बच्चे की आवाज को सुने दुनिया

बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करने, बच्चों की समस्याओं को हल करने, बच्चों के बीच जागरूकता तथा बच्चों के कल्याण के लिए काम करने और अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दुनियाभर में 20 नवम्बर को 'विश्व बाल दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस बच्चों के अधिकारों की वकालत करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। व्यस्कों से अलग बच्चों के अधिकारों को 'बाल अधिकार' कहा जाता है। सही मायनों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बाल दिवस की शुरूआत किए जाने का मूल उद्देश्य बच्चों की जरूरतों को पहचानना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और उनके शोषण को रोकना है ताकि बच्चों का समुचित विकास हो सके। विश्व बाल दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ मनाया जाता है, जो इस वर्ष 'मेरा दिन, मेरे अधिकार' विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय दुनिया को याद दिलाता है कि हर बच्चे को सुरक्षित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और शोषण-मुक्त जीवन का अधिकार है। आज जब बाल तस्करी, कुपोषण, युद्ध, भेदभाव और मानसिक स्वास्थ्य जैसी चुनौतियां बच्चों को प्रभावित कर रही हैं, तब यह दिवस हमें उनके भविष्य के प्रति और अधिक संवेदनशील बनने का आह्वान करता है। बाल अधिकारों की रक्षा ही एक सुरक्षित और समृद्ध विश्व की बुनियाद है।

हालांकि भारतीय संविधान में बच्चों के कई अधिकार निर्धारित हैं। हमारे संविधान के अनुसार प्रत्येक बच्चे को जिंदा रहने का मौलिक अधिकार है और इसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य पर है। हर राज्य की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वह बच्चों को किसी भी तरह के भेदभाव से बचाए और उनके अधिकारों को बढ़ाने के लिए उचित कदम उठाए। बच्चे को उच्चतम स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधा पाने का अधिकार है। राज्य का यह कर्तव्य है कि वह बच्चे के लिए प्राथमिक स्तर की शिक्षा निःशुल्क व अनिवार्य करे। प्रत्येक बच्चे को अच्छा जीवन स्तर पाने का अधिकार है। अक्षम बच्चे को विशेष देखभाल, शिक्षा, प्रशिक्षण पाने का अधिकार है। बच्चे को नशीली दवाओं, मादक पदार्थों के उपयोग से बचाए जाने का अधिकार है। राज्य का यह कर्तव्य है वह बच्चों को हर तरह के दुर्व्यवहार से बचाए। समाज के अनाथ बच्चों को सुरक्षा पाने का अधिकार है, बच्चों को ऐसे कार्यों से बचाए जाने का अधिकार है, जो उसके स्वास्थ्य, शिक्षा, विकास को हानि पहुंचाएं। किसी बच्चे को बेचना, अपहरण करना या जबरन काम करवाना कानूनी अपराध है, राज्य की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वह बच्चे को इससे बचाए। राज्य की यह भी जिम्मेदारी है कि वह बच्चों को यौन अत्याचारों, वेश्यावृत्ति आदि से बचाए।

विश्व बाल दिवस मनाने की शुरुआत वैसे तो संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1954 में की गई थी लेकिन वास्तव में यह दिवस वर्ष 1857 में जून के दूसरे रविवार को चेल्सी (मैसाचुसेट्स) में यूनिवर्सल ऑफ द रिडीमर के पादरी रेवरेंड डा. चार्ल्स लियोनार्ड ने शुरू किया था। लियोनार्ड ने बच्चों के लिए और उनके लिए समर्पित एक विशेष सेवा का आयोजन किया था, जिसे 'रोज डे' का नाम दिया था, कुछ समय बाद इसे 'फ्लावर संडे' नाम दिया गया और बाद में इसका नाम 'चिल्ड्रन्स डे' कर दिया गया। आधिकारिक तौर पर बाल दिवस पर पहली बार 1920 में तुर्की गणराज्य द्वारा 23 अप्रैल की निर्धारित तिथि के साथ राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया था। 1920 से तुर्की सरकार और उस समय के समाचारपत्रों ने बाल दिवस को बच्चों के लिए एक दिन घोषित करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर मनाया। हालांकि इसकी अधिकारिक घोषणा 1929 में तुर्की गणराज्य के राष्ट्रपति मुस्तफा केमल अतातुर्क द्वारा की गई थी। बाल दिवस मनाए जाने की शुरूआत वैसे तो 1920 के दशक में ही हो गई थी लेकिन वैश्विक रूप में देखें तो दुनियाभर में इसे मान्यता 1953 में मिली। विश्वभर में बाल दिवस मनाए जाने का विचार भारत के पूर्व रक्षामंत्री वी के कृष्ण मेनन का था, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1954 में अपनाया गया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्वभर के तमाम देशों से अपील की गई थी कि वे अपनी परम्पराओं, संस्कृति तथा धर्म के अनुसार अपने लिए कोई एक ऐसा दिन सुनिश्चित करें, जो सिर्फ बच्चों को ही समर्पित हो। हालांकि बाल दिवस सर्वप्रथम जेनेवा की 'इंटरनेशनल यूनियन फॉर चाइल्ड वेलफेयर' के सहयोग से अक्टूबर 1953 में विश्वभर में मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस की स्थापना 1954 में की गई थी किन्तु 1959 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकारों की घोषणा के विस्तारित रूप को अपनाया।

20 नवम्बर को विश्व बाल दिवस के रूप में मनाए जाने का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि 20 नवम्बर 1959 को संयुक्त राष्ट्र की आमसभा ने बाल अधिकारों की घोषणा की थी। जीवन जीने का अधिकार, संरक्षण का अधिकार, सहभागिता का अधिकार और विकास का अधिकार, बाल अधिकारों को इन चार अलग-अलग भागों में विभाजित किया गया है।

20 नवम्बर 1989 को बच्चों के अधिकारों के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसे 191 देशों द्वारा पारित किया गया। बाल दिवस मनाए जाने को लेकर दिलचस्प तथ्य यह है कि भले ही विश्व बाल दिवस 20 नवम्बर को मनाया जाता है लेकिन विश्व के अनेक देशों में इसे मनाने की तारीखें अलग-अलग हैं। जनवरी माह से लेकर दिसम्बर तक हर माह किसी न किसी देश में बाल दिवस का आयोजन होता है। माना जाता है कि सबसे पहले बाल दिवस तुर्की में मनाया गया था। दुनियाभर में 191 देशों द्वारा बाल दिवस मनाया जाता है, जिनमें से करीब चार दर्जन देश 20 नवम्बर को यह दिवस मनाते हैं जबकि अन्य देश अपने हिसाब से अन्य तिथियों पर। भले ही अपनी-अपनी सहूलियत के आधार पर विभिन्न देशों द्वारा अलग-अलग तारीखों पर बाल दिवस मनाया जाता है लेकिन हर जगह बाल दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि इसके जरिये लोगों को बच्चों के अधिकारों तथा सुरक्षा के लिए जागरूक किया जा सके। दुनियाभर में बाल दिवस के माध्यम से लोगों को बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल मजदूरी इत्यादि बच्चों के अधिकारों के प्रति जगरूक करने का प्रयास किया जाता है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार भारत में सबसे ज्यादा बच्चे भीख मांगते हैं और यौन शोषण के शिकार होते हैं। विश्व बाल दिवस सही मायनों में विश्वभर में बच्चों के अधिकारों के प्रति एकजुटता को बढ़ावा देने का समय है। दुनिया के हर कोने में बच्चों की समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ेगी, तभी बच्चों की विभिन समस्याओं का निदान होने की उम्मीद की जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा बाल दिवस मनाए जाने की घोषणा का उद्देश्य यही था कि इस विशेष दिन के माध्यम से अलग-अलग देशों के बच्चे एक-दूसरे के साथ जुड़ सकें, जिससे उनके बीच आपसी समझ तथा एकता की भावना मजबूत हो। किसी भी राष्ट्र का विकास सीधे तौर पर वहां के बच्चों के विकास से जुड़ा होता है। बच्चे ही हमारा भविष्य हैं और यदि वे ही अपने बाल अधिकारों से वंचित रह जाएंगे तो एक बेहतर दुनिया के निर्माण की कल्पना भी नहीं की जा सकती, इसलिए बहुत जरूरी है कि इस विशेष अवसर पर न सिर्फ बच्चों से जुड़ी तमाम समस्याओं के समाधान का संकल्प लिया जाए बल्कि उसे क्रियान्वित करने के लिए ठोस कदम भी उठाए जाएं।

---

याद पुरानी

विष्णु बैरागी

लेखक स्तंभकार हैं।

# 'वह' धूमधड़ाके से आती थी

पुराने कागज-पत्तर टटोलते-टटोलते, भोपाल से प्रकाशित 'पीपुल्स समचार' का, 07 मार्च 2009 का पन्ना हाथ में आ गया। कौतूहल से देखा तो कस्बाई फिल्म के आगमन की मेरी एक 'याद' इसमें छपी नजर आई। )

ईशान छठवीं कक्षा में पढ़ रहा है। चुप बिल्कुल ही नहीं बैठ पाता। 'बाल बिच्छू' की तरह सक्रिय बना रहता है। उसे पूरे शहर की खबर रहती है। मैं उसके ठीक पड़ौस में रहता हूँ-एक दीवाल की दूरी पर। आज सवेरे उससे कहा - 'स्लमडाग करोड़पति' लगे तो मुझे कहना। देखने चलेंगे।' सुनकर उसने मुझे आश्चर्य और मेरे प्रति दया भाव से देखा। बोला - 'अरे! दादाजी, वह तो आकर चली भी गई!'

मुझे धक्का लगा। इसलिए नहीं कि मैं वह फिल्म नहीं देख पाया। इसलिए कि जिस फिल्म का डंका पूरे देश-दुनिया में बज रहा है, जिसकी 'जय हो' से गली-गली गुंजायमान है, जिसे 'ऑस्कर' मिलने की कल्पना मात्र से देश का आभिजात्य वर्ग ही नहीं, 'ऑस्कर' का अर्थ न समझने वाला मध्य वर्ग भी पुलकित हो रहा है, वह फिल्म मेरे कस्बे में कब आई और कब चली गई, पता ही नहीं लगा! हाथी गली में होकर निकल गया और पत्ता भी नहीं खड़का? वह भी तब, जबकि सिनेमा घर मेरे निवास से तीन सौ मीटर दूर भी नहीं?

मुझे मेरे स्कूली दिनों वाला मेरा पैतृक गाँव मनासा और वहाँ का 'जगदीश टॉकीज' याद आ गया। 'नगर सेठ भैया साहब झँवर' उसे चलाते थे। तब जनसंख्या यही कोई नौ-दस हजार रही होगी मेरे मनासा की। 'श्री बद्री विशाल मन्दिर' के बाद गाँव का सबसे बड़ा आकर्षण यह 'जगदीश टॉकीज' ही था। अल्हेड़ दरवाजे और बस स्टैण्ड के बीचों-बीच। आस-पड़ोस के गाँवों के प्रवासी यात्री, अपना सामान अपने साथ वाले के जिम्मे कर, भरी-दोपहर में यह टॉकीज देखने आते। सन्नाटा होता था उस समय टाकीज के प्रांगण में। और तो और, उसमें लगी होटल भी सुनसान रहती। फिर भी लोग आते, टाकीज के बरामदे में लगे, 'चालू फिल्म' के पोस्टर और 'स्टिल्स' देखते और अपने गाँव जाकर, 'अनूठी उपलब्धि' की तरह इस 'टाकीज-दर्शन' का बखान किसी परी कथा की तरह करते।

फिल्म का बदलना तब पूरे गाँव की बड़ी घटना होता था। तीन-चार दिन पहले ही पता हो जाता था कि फलाँ फिल्म लगने वाली है। 'नई' फिल्म के पोस्टर चिपके बोर्ड, गाँव की गली-गली में घुमाए जाते। लकड़ी की फ्रेम पर, जूते गाँठने वाली वाली कीलों से ठुके टाट पर चूना पोतकर इबारत की जमीन बनाई जाती और उस पर नीले, लाल, काले रंगों से फिल्म के नाम तथा अन्य ब्यौरे लिखे जाते। बोर्ड का आकार सामान्यत: 4 गुणा 4 फुट होता। उन दिनों कोई भी फिल्म रीलीज होने के बरसों बाद ही मेरे गाँव जैसे 'सेण्टर' तक आ पाती थी। (तब किसी फिल्म की रीलीज के समय 10 प्रिण्ट जारी करना 'धमाका खबर' होता था) । सो, तब तक फिल्म की 'सफलता और हैसियत' सबको मालूम हो चुकी होती थी। बोर्डों की और इबारत के रंगों की संख्या का निर्धारण, फिल्म की इसी सफलता और हैसियत के अनुसार होता। इन बोर्डों की संख्या सामान्यत: दो ही होती। प्रत्येक बोर्ड को दो बच्चे उठाए होते। मुफ्त में फिल्म देखना इन बच्चों का पारिश्रमिक होता।

फिल्म की हैसियत के अनुसार ही बोर्डों को गलियों में घुमाया जाता। सामान्यत: दो-दो बोर्ड घुमा दिए जाते। कोई ठीक-ठीक फिल्म होती तो बोर्डों के आगे 'मोहम्मद हुसैन बा' साहब के बैण्ड' का एक ट्रम्पेटवादक और एक ड्रमर चल रहा होता। 'हिन्दुस्तान के शहरों में कामयाबी के झण्डे गाड़ने वाली' फिल्म होती तो बोर्डों की संख्या ही नहीं, बोर्डों का आकार भी बढ़ जाता और बैण्ड के सदस्यों की संख्या भी। लाउडस्पीकर का चलन उन दिनों नहीं था। बोर्डों के ठीक पीछे एक उद्घोषक चल रहा होता, जिसके पास टीन का बना भोंपू होता। वह अपनी पूरी ताकत से फिल्म की खूबियाँ बखान करता। जैसे कि 'हिमालय के सच्चे सीनों से भरपूर, महान, धार्मिक फिल्म.....' या 'मार-धाड़ से भरपूर, किंगकांग और दारासिंह की दिल हिला देने वाली कुश्तियाँ.....' या 'नाच-गाने से

भरपूर, माँ-बहनों के साथ देखने वाली शानदार सामाजिक फिल्म.....' आदि-आदि। उन दिनों फिल्में 'श्वेत-श्याम' ही हुआ करती थीं और रंगीन की शुरुआत हुई ही थी। कुछ गीतों का फिल्मांकन रंगीन हुआ करता था। ऐसे रंगीन गीत फिल्म का विशेष आकर्षण होते और उद्घोषक को याद रख कर अलग से कहना पड़ता - 'तीन रंगीन पार्ट सहित।'

जिस दिन फिल्म बदलती उस दिन पहला शो, अपने निर्धारित समय शाम 6 बजे से कोई आधा घण्टा देर से शुरू होता। फिल्म का प्रिंट इन्दौर से आता। इन्दौर से चलकर रामपुरा जाने वाली बस शाम कोई 6 बजे मेरे गाँव पहुँचती। बस के आने से काफी पहले ही लोग बस स्टैण्ड पहुँच जाते। टाकीज का कर्मचारी सबसे बाद में पहुँचता। वह किसी नायक की तरह प्रकट होता और ऐसे व्यवहार करता मानो कोई चमत्कार करने वाला हो। फिल्म का प्रिण्ट, टीन के बक्से (पेटी) में गोल डिब्बों में बन्द होता। जितने गोल डिब्बे होते, फिल्म उतनी ही रीलों वाली होती।

फिल्म प्रिंट के आने को 'फिल्म की पेटी' आना कहा-जाता। बस आती। दूर से, बस की छत पर रखी 'फिल्म की पेटी' देखने की कोशिश शुरू हो जाती। बस आकर, स्टैण्ड पर व्यवस्थित खड़ी होने के लिए रिवर्स होती। बस का खलासी, चलती बस का पिछली फाटक खोल कर तेजी से उतरता और बस के पिछवाड़े, ड्रायवर साइड जाकर 'आने दो! टाने दो!!' की आवाज लगा कर बस को खड़ी करवाता।

बस रुकते ही खलासी छत पर चढ़ता। बाकी सवारियों के सामान को अनदेखी कर, सबसे पहले 'फिल्म की पेटी' झेलता। पेटी ठेले पर रखी जाती। टाकीज के कर्मचारी से पहले, वहाँ जुटे लोग उचक-उचक कर, पेटी पर चिपका लेबल देखते। जो सबसे पहले देख लेता, जोर से चिल्लाता - '16 रील की है।' पेटी को जुलूस की शकल में टाकीज तक लाया जाता। उसके बाद शो की तैयारी शुरू होती।

मेरे गाँव के टॉकीज में आने वाली प्रत्येक 'नई' फिल्म इसी तरह आती। यह क्रम मेरे गाव की जिन्दगी का स्थायी हिस्सा बना रहा। कोई भी फिल्म, कभी भी चुपचाप नहीं आई। जो भी आई, अपनी हैसियत के मुताबिक धूम-धड़ाके से आई। और केवल आने पर ही चर्चित नहीं रही। जाने के बाद भी उसकी चर्चा होती रहती।

आज दुनिया एक गाँव में बदल गई है। अंगुलियों की पोरों की एक हरकत सारी दुनिया की नवीनतम जानकारी, कम्प्यूटर के पर्दे के जरिए घर-घर में, एक पल में पहुँच रही है। अखबार, छपने से पहले ही बासी होने लगे हैं। ऐसे जीवन्त समय में, 'स्लगडॉग करोड़पति' मेरे कस्बे में, मेरे घर से तीन सौ मीटर दूर स्थित सिनेमा घर में लग कर उतर गई और मुझे भनक तक नहीं पड़ी! यकीनन यह मेरी असावधानी तो है ही, किन्तु फिल्मों के प्रति हमारे सार्वजनिक व्यवहार का परिचायक भी है।

# अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में उच्च-जोखिम नवजात शिशु क्लिनिक का शुभारम्भ

**देवास।** अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, देवास ने नवजात शिशुओं की विशेष देखभाल के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बुधवार को अमलतास अस्पताल में उच्च-जोखिम नवजात शिशु क्लिनिक का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री आनंद मालवीय, एस.डी.एम. देवास, के करकमलों द्वारा किया गया। शिशु रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नेहा काकानी ने मुख्य अतिथि का स्वागत कर बताया की उच्च-जोखिम नवजात शिशु क्लिनिक एक विशेष चिकित्सा सुविधा है जो उन नवजात शिशुओं की देखभाल और अनुवर्ती देखभाल के लिए समर्पित है जिन्हें जन्म के समय गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इन शिशुओं में अक्सर समय से पहले जन्मे बच्चे, कम वजन वाले, जन्मजात विकृतियाँ, संक्रमण या मातृ स्थितियों से उत्पन्न जटिलताएँ शामिल होती हैं। क्लिनिक का प्राथमिक उद्देश्य निरंतर चिकित्सा सहायता प्रदान करना, शारीरिक विकास में वृद्धि करना और दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने वाले उपाय प्रदान करना है। शुभारम्भ समारोह में विशेषज्ञों द्वारा भारत में नवजात शिशु की देखभाल की स्थिति पर चिंता व्यक्त कर बताया की हाल ही के राष्ट्रीय आँकड़ों के अनुसार, भारत में प्रति 1000 जन्म पर 19 नवजातों की मृत्यु होती है, जबकि मध्यप्रदेश में यह दर 29 है।

अस्पताल प्रबंधन ने इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, चेयरमैन महोदय के मार्गदर्शन में एनआईसी और एचडीयू सुविधाओं को मजबूत करने के साथ ही इस उच्च-जोखिम क्लिनिक की शुरुआत की है। क्लिनिक का मुख्य उद्देश्य हर हाई रिस्क बेबी को सुरक्षित, सक्षम और संवेदनशील देखभाल देना है ताकि नवजात मृत्यु दर को कम किया जा सके। यह शुभारम्भ समारोह न्यूबॉर्न केयर वीक के अवसर पर आयोजित किया गया, जो हमें याद दिलाता है कि हर नवजात शिशु की शुरुआत सुरक्षित होनी चाहिए। उद्घाटन के दौरान, मुख्य अतिथि द्वारा स्वस्थ नवजात शिशुओ के माताओं को बेबी किट भी प्रदान की गई। इस क्लिनिक में मुफ्त टीकाकरण की सुविधा डीआईओ डॉ. सुनील तिवारी द्वारा प्रत्येक बुधवार को प्रदान की जाएगी।इस अवसर पर अमलतास विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. शरदचन्द्र वानखेड़े, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. ए.के. पिठवा, अस्पताल निदेशक डॉ. प्रशांत, विभागाध्यक्ष डॉ. अभय गुप्ता, और शिशु रोग विभाग के विशेषज्ञ डॉ. शाहबाज खान, डॉ. आशुतोष शर्मा, डॉ. शर्मिला मित्तल, डॉ. पूजा, डॉ. शिल्पा जैन, रेटिना विशेषज्ञ डॉ. पूर्वी गार्गे, फिजियोथेरेपी हेड डॉ.नेहा , जूनियर रेसिडेंट, इन्टर्न, विद्यार्थियों सहित समस्त विभागीय प्रमुख और स्टाफ उपस्थित थे। अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के चेयरमैन श्री मयंक राज सिंह भदौरिया जी द्वारा बताया गया की अमलतास अस्पताल में, हमने न केवल एनआईसी और एचडी जैसी विश्व-स्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध कराई हैं, बल्कि अब इस उच्च-जोखिम नवजात शिशु क्लिनिक की शुरुआत कर रहे हैं। जिसका उद्देश्य स्पष्ट है- हर नवजात महत्वपूर्ण है। इस क्लिनिक के माध्यम से, हमारा लक्ष्य है कि हम हर हाई-रिस्क बच्चे को सुरक्षित, सक्षम, और संवेदनशील देखभाल प्रदान करें, ताकि उन्हें स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर किया जा सके और हम मिलकर नवजात मृत्यु दर को कम करने में सफल हों।

# प्रमुख सचिव श्री यादव की अध्यक्षता में हुई राज्य सुपरवाइजरी बोर्ड की बैठक

**भोपाल ।** प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य शिक्षा श्री संदीप यादव की अध्यक्षता में गर्भधारण एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) राज्य सुपरवाइजरी बोर्ड पी.सी.पी.एन.डी.टी. की बैठक में अनेक निर्णय लिये गये। बैठक में विधानसभा सदस्य श्रीमती प्रियंका मीणा, आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण राठी, अतिरिक्त सचिव विधि एवं विधायी कार्य श्री निशित खरे सहित विभिन्न विभागीय अधिकारियों तथा तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागिता की गयी।

राज्य सुपरवाइजरी बोर्ड की बैठक में लिये गये मुख्य निर्णयों में मध्यप्रदेश में भ्रूण लिंग चयन संबंधी सूचना तंत्र को सुदृढ़ करने एवं सामाजिक भागीदारिता को बढ़ावा देने के लिये पुनरीक्षित मुखबिर पुरस्कार योजना संचालित है, जिसका प्रदेश में अधिकाधिक प्रचार-प्रसार किया जाये। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा पुनरीक्षित मुखबिर पुरस्कार योजना अंतर्गत 2 लाख रुपये के पुरस्कार का प्रावधान है, जिसमें मुखबिर के सूचना पर पी.सी.पी.एन.डी.टी. अधिनियम अंतर्गत प्रकरण सफल स्टिंग ऑपरेशन होने अथवा प्रकरण पंजीबद्ध होने पर मुखबिर या सूचनादाता को 50 हजार रुपये दिये जाने का प्रावधान है। साथ ही न्यायालय द्वारा पंजीबद्ध प्रकरण में दंडित किये जाने पर मुखबिर या सूचनादाता को पुनः 30 हजार रुपये दिये जाने का प्रावधान है। पी.सी.पी.एन.डी.टी. अधिनियम की धारा-22 अंतर्गत किसी भी व्यक्ति, संगठन, केन्द्र द्वारा लिंग चयन सुविधाओं के संबंध में किसी भी प्रकार का विज्ञापन भौतिक या इंटरनेट के माध्यम से प्रकाशन, वितरण एवं संसूचित करने पर प्रतिबंध है।

लिंग चयन के संबंध में साइबर एडवर्टाइजमेंट, ई-कॉमर्स प्लेटफार्म पर बेची जा रही सामग्री, इंटरनेट पर उपलब्ध आपत्तिजनक ब्लॉग्स/वीडियोज आदि को साइबर निगरानी द्वारा नियंत्रित किये जाने की आवश्यकता है। इसके लिये विभाग द्वारा पुलिस महानिरीक्षक, इंटेलिजेंस के समन्वय से सुदृढ़ कार्यवाही पी.सी.पी.एन.डी.टी. अधिनियम, 1994 एवं आई.टी. अधिनियम, 2000 के स्थापित प्रावधान अनुरूप कार्यवाही की जायेगी। समाज में लिंग चयन आधारित गर्भपात से संभावित सामाजिक असंतुलन एवं लैंगिक हिंसा के नियंत्रण के लिये जन-प्रतिनिधियों के सोशल मीडिया पेज तथा जिलों के आधिकारिक वेबसाइट तथा सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से सामाजिक जागरूकता एवं जन-भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी।

### इंदिरा जी की जयंती पर

# 'सम्यक अभियान इंदिरा ज्योति एवं चलें रामराज्य की ओर' अभियान का शुभारम्भ

**भोपाल।** भारत की पूर्व प्रधानमंत्री, लौह इच्छाशक्ति की प्रतीक और देश की आत्मा में रची-बसी श्रीमती इंदिरा गांधी जी के 108वें जन्मदिवस के अवसर पर आज भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन के मुक्ताकाश मंच पर 'सम्यक अभियान इंदिरा ज्योति एवं चलें रामराज्य की ओर' अभियान का शुभारम्भ किया गया। और कार्यक्रम के अंत हरि झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन खेड़ा जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया ।

इस आयोजन में पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री कांतिलाल भूरिया, श्री अरुण यादव,विधायक श्री आरिफ मसूद, आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया,पूर्व सांसद श्री सुरेन्द्र सिंह, श्री राजमणि पटेल, पूर्व मंत्री श्री मुकेश नायक, वरिष्ठ नेता श्री राजेन्द्र मिश्रा, कार्यक्रम समन्वयक श्री भास्कर रोकड़े, सम्यक अभियान के प्रभारी श्री शैलेन्द्र श्रीवास्तव, श्री संजय कामले, श्री प्रवीण सक्सेना, श्री योगेश यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। इसके साथ ही प्रदेश प्रवक्ता श्री भूपेन्द्र गुप्ता, श्री रवि सक्सेना, श्री अवनीश बुंदेला, श्री आनंद जाट, श्री प्रवीण धौलपुरिया, श्री विक्रम चौधरी, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रदीप परमार और प्रदेश प्रवक्ता श्री राहुल राज भी कार्यक्रम में शामिल रहे।

चलें रामराज्य की ओर अभियान के लिए गठित कोर कमेटी में समाज के सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व और जिम्मेदारी दी गई है। यह अभियान न्यायपूर्ण, समतामूलक, करुणामय और संवेदनशील शासन-व्यवस्था की परिकल्पना को मूर्त रूप देने का प्रयास है, जिसमें किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं, कमजोर और वंचित वर्गों की भागीदारी और आवाज़ को प्राथमिकता दी जा रही है।

सम्यक अभियान के तहत इंदिरा ज्योति कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष श्री पवन खेड़ा जी ने चलें रामराज्य की ओर अभियान का शुभारम्भ किया और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे वैचारिक और जनजागरण से जुड़े कार्यक्रम केवल मध्य प्रदेश ही नहीं, अन्य राज्यों में भी आयोजित होने चाहिए।

# पीएम मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किश्त अन्तरित की

### ● धार जिले को मिला बड़ा लाभ

**धार ।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किश्त जारी की गई। धार जिले के दो लाख से अधिक किसानों को इस पहल का प्रत्यक्ष लाभ मिला। 46 करोड़ से अधिक की राशि धार जिले के 2,31,024 किसानों के बैंक खातों में सीधे अंतरित की गई, जिससे किसानों को आर्थिक संबल प्राप्त हुआ।केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और सीईओ जिला पंचायत अभिषेक चौधरी ने धार कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़कर सहभागिता की। इस अवसर पर महंत निलेश भारती,जनप्रतिनिधिगण,अधिकारी,कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने संबोधन के दौरान कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं और सबसे अधिक परिश्रम करते हैं। उन्होंने बताया कि धार ज़िले में रेलवे लाइन की सुविधा किसानों की प्रमुख आवश्यकता है और इसे प्राथमिकता से आगे बढ़ाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों की वास्तविक चिंता करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप खाद, बिजली और परिवहन जैसी बुनियादी सुविधाओं में लगातार सुधार हुआ है। उन्होंने उल्लेख किया कि किसान सम्मान निधि के तहत 46 करोड़ से अधिक की राशि का वितरण किसानों के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए आरक्षण के निर्णय को भी उन्होंने ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को ब्याजमुक्त ऋण, 24 घंटे बिजली और पर्याप्त अन्न भंडार जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की हैं। यह सब किसानों की कड़ी मेहनत और सरकार के निरंतर सहयोग से संभव हुआ है।

# जलसंकट के समय नगरपालिका को आती है कुओं की याद

## शहर के कुएं खाली, सालों से नहीं हुई सफाई

**बैतूल।** कुएं का जल संरक्षण के लिए काफी महत्व है, लेकिन शहर के कुएं जागरूकता व देखरेख के अभाव में सूखे हुए है। इन कुंओं की याद नगरपालिका को उस समय ही आती है, जब शहर में भीषण जलसंकट का समय आता है, जबकि इन कुंओं ने 13 साल पहले 2012 में पूरे शहर को जलसंकट से उबारा था, वे आज भी शहर के लिए पानी स्टोरेज करने को तैयार हैं, लेकिन इनमें पानी जाने के रास्ते ही बंद हैं। नगरपालिका के ध्यान नहीं देने के कारण इतनी, बारिश होने के बावजूद ये कुएं लबालब नहीं हुए। इनमें कचरा तैर रहा है, जिसे साफ करवाने की जरूरत है। बता दे कि 2017 की गर्मियों में जलसंकट के दौरान नगरपालिका ने शहर के 42 कुओं की सफाई करवाई थी, इन्हें पेंट कर इन पर पानी बचाने और पर्यावरण संतुलन के स्लोगन भी लिखे थे। लेकिन अब अधिकांश कुओं में पानी जाने के रास्ते बंद हैं। यदि इनमें पानी जाने के लिए नालियां ही बना दी जाएं तो ये भरा जाएंगे, इससे भूजलस्तर तो बढ़ेगा ही साथ ही जलसंकट गहराने पर इनका पानी जन उपयोग में लिया जा सकेगा।

**नपा की अनदेखी और जागरूकता के अभाव-** शहर के कुछ कुओं में जलस्तर अच्छा है लेकिन जागरूकता के अभाव में गंदगी कुएं में बढ़ रही है जिससे कुएं का पानी का उपयोग नहीं हो पा रहा है। लोग कुएं में ही गंदगी फेंक देते हैं। नगरपालिका द्वारा सार्वजनिक कुओं की सफाई नहीं कराई जाती है। जबकि कुछ साल पहले तक शहरवासियों के पानी का मुख्य स्त्रोत कुंए ही रहा करते थे और लोग पीने के अलावा निस्तारी के लिए भी जल का उपयोग करते थे। लेकिन अब यह कुएं देखरेख और जागरूकता के शिकार हो गये है। इसके पीछे कारण यह है

कि अब लोग आधुनिक हो गये है। घरों में कुओं की अपेक्षा बोर करवा लिया है। जिससे आसानीपूर्वक पानी मिल जाता है और मेहनत भी ज्यादा नहीं करनी पड़ती है।

**शहर के इन क्षेत्रों में सूखे है कुंए** - जानकार बताते है कि कई साल हले शहर में आधा सैकड़ा से अधिक कुएं हुआ करते थे, लेकिन समय के साथ लोग आधुनिक हो गये। लोगों के घरों में सहूलियत बढ़ती गई और लोगों ने अपने घरों में बोर और हैंडपंप लगवाना शुरू कर दिया। जिसके कारण धीरे-धीरे कुंओं का अस्तित्व कम होने लगा। अभी भी शहर के पुलिस लाइन्स, पीडब्ल्यूडी कार्यालय, सदर नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के पीछे, सिविल लाइन्स तासी क्लब के समीप के कुएं, मोती वार्ड के अधिकांश कुएं है, जो नगरपालिका की अनदेखी के कारण सूखे हैं। इन कुंओं को पुनर्जीवित किया जाये तो यह आधे से अधिक शहर को पानी दे सकते है, लेकिन इन कुओं को पुनर्जीवित करने न तो नपा और न ही प्रशासन का ध्यान दे रहा है।

**4 करोड़ लीटर पानी हो सकता है स्टोर** - शहर के कुओं की सफाई कर उसमें पानी जाने के लिए रास्ते बनाये जाये तो यह कुंए आधे से अधिक शहर की प्यास बुझा सकते है। जानकार बताते है कि प्रत्येक कुएं में 10 लाख लीटर पानी स्टोर हो सकता है। इस अनुमान से 42 कुओं में 4 करोड़ 20 लाख लीटर पानी स्टोर हो सकता था। बताया गया कि सीमा से सटे गांवों में ही जल संरक्षण के प्रति दिखाई जागरूकता के कारण यहां कुएं लबालब हैं। चिखलार गांव में गर्मियों में ही कुओं के आसपास सोकपिट बनाकर पत्थर डाले गए थे। इन सोकपिट से पाइप बिछाकर कुएं तक डाले गए थे। अब ये कुएं ऊपर तक भर गए हैं।

**इनका कहना है** - शहर के जो भी कुएं हैं, उनके आसपास सफाई करवाकर पानी जाने के रास्ते बनवाए जाएंगे। जिन कुओं की दोबारा सफाई की जरूरत होगी, उन्हें साफ करवाया जाएगा।

**सतीश मटसेनिया, सीएमओ, नगरपालिका बैतूल**

# भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल की सेवाभाव पहल

### दिव्यांग युवक को मिली मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल की सौगात

**बैतूल।** क्षेत्र के चहुंमुखी विकास, आमजन की समस्याओं का संतुस्टिकारक निराकरण और संगठन को मजबूत करनें के साथ ही प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल सेवाभावी कार्यो में सतत जुटे हुए है। क्षेत्र में भ्रमण के दौरान जरूरतमंद और दिव्यांगों को मदद कर उन्हे सशक्त बनाना उनकी प्राथमिकता में शामिल रहता है। गत दिनों बैतूल विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बैतूल बाजार मंडल के भ्रमण के दौरान ग्राम सेलगॉव मे दिव्यांग अलकेश साहू ने जब उन्हे दिव्यांगता का हवाला देकर मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल दिलवाने की गुहार लगाई तो व्यस्त दौरे के बावजूद श्री खण्डेलवाल ने मोबाइल पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग बैतूल की उपसंचालक से सम्पर्क कर अलकेश साहू को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल की संवेदनशील पहल पर अलकेश साहू को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल की सौगात मिल गई। बीते लगभग तीन वर्षो से बिस्तर पर रहने वाला अलेकश अब गांव भर में घूमने लगा है। जिससे उसके चेहरे पर लौटी मुस्कान ने उसे आत्मविश्वास से भर दिया है। साथ ही उसका जीवन भी आसान हो गया।

**तीन वर्षो से बिस्तर पर था अलकेश** - सेलगांव निवासी अलकेश साहू (34) वर्ष ने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व हुए एक्सीडेंट में गंभीर चोट आनें से उसका चलना फिरना मुश्किल हो गया था। फिर भी वह हिम्मत करके अपने दैनिक कार्य करने के साथ ही लकड़ी के सहारे चल फिर लेता था। अलकेश के मुताबिक बीते लगभग तीन वर्ष पूर्व उसके कमर के नीचे का हिस्सा अचानक निष्क्रिय हो गया था। उपचार के बाद भी स्थिति मे कोई सुधार नहीं आया। परिणाम स्वरूप बीते तीन वर्षो से वह बिस्तर पर ही रहता था। परिवार की मदद से वह दैनिक कार्य करता था। बिस्तर पर आने से अलकेश साहू का दुकान जाना भी बंद हो गया था। जिससे वह दिव्यांगता के साथ बेरोजगारी का दंश झेल रहा था।

# आरडी स्कूल की प्रतिष्ठा और आशुतोष ने राज्य स्तर पर लहराया परचम

### राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया

**बैतूल।** क्वालिटी एजुकेशन में अग्रणी उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान आर.डी. पब्लिक स्कूल बैतूल के मेधावी विद्यार्थियों प्रतिष्ठा सिंह और आशुतोष सिंह ने राज्य स्तर पर सफलता का परचम लहरा कर बैतूल जिले को गौरविन्त किया है। नेहरू युवा केन्द्र द्वारा टीटी नगर स्टेडियम भोपाल में 17 एवं 18 नवम्बर को आयोजित राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता में आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल की कक्षा 12वीं की छात्रा कुमारी प्रतिष्ठा सिंह ठाकुर एवं उनके भाई कक्षा 9वीं के छात्र आशुतोष सिंह के विज्ञान मॉडलों ने राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इस उत्कृष्ट सफलता के लिए म.प्र. के खेल, युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग सहित अन्य अतिथियों ने प्रतिष्ठा सिंह और आशुतोष सिंह को पुरूस्कृत कर सम्मानित किया गया। राज्य स्तर पर बैतूल जिले का नाम रौशन करने वाले प्रतिभावन भाई-बहन को आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल, प्राचार्य सहित शिक्षकों ने शुभकामनाएं देकर उनका हौसला बढ़ाया है। नेहरू युवा केन्द्र द्वारा टीटी नगर स्टेडियम भोपाल में 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभागियों के लिए आयोजित राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता में सबसे कम उम्र के प्रतिभागी बहन-भाई प्रतिष्ठा और आशुतोष सिंह द्वारा ग्रीन एनर्जी एवं आपदा प्रबंधन की थीम पर बनाए गए मॉडल ने प्रदेश स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। उक्त दोनों प्रतिभावान विद्यार्थियों की उत्कृष्ट सफलता के लिए म.प्र. के खेल-युवा कल्याण एवं सहाकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने उन्हे पुरूस्कृत कर सम्मानित किया गया।

### बच्चों के समन्वित विकास पर हमारा फोकस : ऋतु खण्डेलवाल

आरडी पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सफलता का परचम लहराने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रतिष्ठा और आशुतोष ने शिक्षकों के मार्गदर्शन में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से उत्कृष्ट सफलता हासिल कर विद्यालय सहित समूचे जिले को गौरवान्वित किया है। इतनी कम उम्र में विज्ञान के क्षेत्र में राज्य स्तर पर बडी उपलब्धि हासिल करना अत्यंत प्रशंसनीय है। विद्यालय परिवार को दोनो बच्चों पर गर्व है। डायरेक्टर श्रीमती खण्डेलवाल ने कहा कि हमारा फोकस बच्चो के समन्वित विकास पर रहता है। स्कूली पढाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए उनकी अभिरूचि के मुताबिक खेल, कला, साहित्य, विज्ञान, तकनीकि, रिसर्च सहित अन्य क्षेत्रों में उन्हें पारंगत किया जाता है।

# कांग्रेस के बीएलए का दो दिवसीय प्रशिक्षण आज से

### जिला प्रशिक्षक मोनू वाघ और स्पेंसर लाल करेंगे मार्गदर्शन

**बैतूल।** मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष व प्रशिक्षण प्रभारी महेंद्र जोशी के निर्देश पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष निलय विनोद डागा के मार्गदर्शन में बैतूल जिले की भैंसदेही, घोड़ाडोंगरी और आमला विधानसभा के बीएलए-2 प्रशिक्षण कार्यक्रम 20 और 21 नवंबर को आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें जिला प्रशिक्षक मोनू वाघ और स्पेंसर लाल प्रशिक्षक के रूप में पूरे दो दिवसीय सत्र में मार्गदर्शन देंगे। प्रशिक्षण में ब्लाक अध्यक्ष, ब्लाक प्रभारी, मंडलम अध्यक्ष, मंडलम प्रभारी, सेक्टर अध्यक्ष, सेक्टर प्रभारी सहित वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे। पहले दिन 20 नवंबर गुरुवार को दोपहर 12 बजे भैंसदेही ब्लाक व हिडली का प्रशिक्षण उमा लॉन भैंसदेही में होगा। इसके बाद दोपहर 02 बजे भीमपुर व दामजीपुरा ब्लाक का प्रशिक्षण मंगल भवन भीमपुर में आयोजित होगा। तीसरा सत्र दोपहर 03.30 बजे चिचोली ब्लाक के लिए आदिवासी मंगल भवन चिचोली में होगा। दूसरे दिन 21 नवंबर शुक्रवार को सुबह 11 बजे शाहपुर व भौरा ब्लाक का प्रशिक्षण एस.एस. लॉन कुंडी टोल के पास शाहपुर में होगा। दोपहर 01 बजे घोड़ाडोंगरी, पाढर व चोपना ब्लाक का प्रशिक्षण कतिया समाज मंगल भवन घोड़ाडोंगरी में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 02.30 बजे सारनी व सारनी ग्रामीण का प्रशिक्षण कांग्रेस कार्यालय शॉपिंग सेंटर सारनी में रखा गया है, जो आमला विधानसभा के अंतर्गत आता है। दिन का अंतिम सत्र शाम 04 बजे आमला व बोरेदेही ब्लाक के लिए माथनकर लॉन आमला में होगा। दो दिवसीय कार्यक्रम में सभी ब्लाकों के बीएलए को बूथ स्तर पर संगठन की रणनीति, जिम्मेदारियों और चुनावी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

# इलेक्ट्रम इंस्टीट्यूट बैतूल के परिसर में एलन इंस्टीट्यूट कोटा की विशेषज्ञ फैकल्टी द्वारा बच्चों को विशेष मार्गदर्शन

**बैतूल।** जिले के प्रसिद्ध कोचिंग संस्थान इलेक्ट्रम इंस्टीट्यूट बैतूल के गुरुद्वारा रोड स्थित परिसर में विगत दिनों देश के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान एलन इंस्टीट्यूट कोटा से आए विषय विशेषज्ञ द्वारा बैतूल के विद्यार्थियों से उच्चस्तरीय शैक्षणिक मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। यह आयोजन हमारे जिले के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इस विशेष कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान एलन इंस्टीट्यूट कोटा की विशेषज्ञ फैकल्टी ने विद्यार्थियों को आईआईटी-जेईई और नीट तथा बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्थित तैयारी के लिए सुझाव और बेहतर रणनीति के मूल मंत्र बताए। इस दौरान भौतिक विज्ञान के अनुभवी विशेषज्ञ डॉ. हृषिकेश शर्मा तथा जीव विज्ञान के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. अतिन सर ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर कई सुझाव दिए। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को परीक्षा-पैटर्न, अध्यायवार वेटेज, विषय की गहराई में जाकर अध्ययन, उच्च स्तरीय प्रश्नों को हल करने की सरल विधियाँ, बोर्ड एवं प्रतियोगी परीक्षाओं को संतुलित करने की रणनीति, बेहतर समय प्रबंधन की ट्रिक और नियमितता के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लगातार अभ्यास, शंकाओं का समय पर समाधान तथा सही दिशा में की गई मेहनत ही सफलता का मूल मंत्र है। इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों ने अपने विषयों से जुड़ी कई शंकाएं, जिज्ञासाएँ रखीं, जिनका समाधान विशेषज्ञों द्वारा सहज, स्पष्ट एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से किया गया। मार्गदर्शन सत्र के बाद विद्यार्थियों में उल्लेखनीय उत्साह, आत्मविश्वास और परीक्षा के प्रति नई दृष्टि देखने को मिली। इलेक्ट्रम इंस्टीट्यूट बैतूल के प्रबंधन की ओर से एलन इंस्टीट्यूट कोटा की फैकल्टी का आभार व्यक्त करते कहा कि जिले के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षण गुणवत्ता उपलब्ध कराना संस्थान का मुख्य उद्देश्य है। प्रबंधन ने समय समय पर ऐसे उच्चस्तरीय शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प भी व्यक्त किया।

# पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया विंड एनर्जी प्लांट का शैक्षणिक भ्रमण

**बैतूल।** शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बैतूल के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शाखा के पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को कुकरूखामला स्थित विंड एनर्जी प्लांट का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस शैक्षणिक यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को पवन ऊर्जा उत्पादन की तकनीकी प्रक्रियाओं, उसके संचालन, रखरखाव एवं आधुनिक ऊर्जा प्रबंधन के ज्ञान से अवगत कराना था। भ्रमण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को विंड टरबाइन की कार्यप्रणाली, ऊर्जा उत्पादन क्षमता, नियंत्रण प्रणाली तथा नवीकरणीय ऊर्जा के महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने पवन ऊर्जा के क्षेत्र में रोजगार एवं अनुसंधान संभावनाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। प्राचार्य डॉ. अरुण सिंह भदौरिया ने बताया कि ऐसे औद्योगिक एवं तकनीकी भ्रमण विद्यार्थियों में तकनीकी समझ बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें वास्तविक कार्यप्रणाली का अनुभव भी प्रदान करते हैं। कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ और विद्यार्थियों का इस भ्रमण से ज्ञानवर्धन हुआ।

# पुरुषों में बदनामी का डर और चुप्पी सबसे घातक : डॉ. संदीप गोहे

**बैतूल।** पुरुष मानसिक स्वास्थ्य और अधिकारों पर 12 साल से काम कर रहे मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. संदीप गोहे (संस्थापक एसआईएफ बैतूल) ने इंटरनेशनल मेंस डे पर एनसीआरबी की रिपोर्ट साझा करते हुए बताया कि पिछले पांच साल में 785 विवाहित पुरुष अपनी पत्नी या उसके सहयोगियों द्वारा की गई हिंसा में मारे गए, जिनमें सबसे ज्यादा 198 मामले उत्तर प्रदेश के हैं। हर साल औसतन 275 पति ऐसी घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। द लैंसेट के अनुसार रिश्तों आधारित हत्याएं 10-11 प्रतिशत तक पहुंच गई हैं। डॉ. संदीप गोहे कहते हैं कि कई पुरुष डर, बदनामी और झूठे आरोपों के कारण शिकायत नहीं कर पाते, जो आगे चलकर घातक साबित होता है। वे जेंडर-न्यूट्रल कानून, झूठे मामलों पर कड़ा दंड और पुरुष पीड़ितों के लिए काउंसलिंग व्यवस्था की जरूरत बताते हैं। समाज पुरुषों के संघर्ष और मानसिक स्वास्थ्य पर बात करने से अब भी कतराता है। उन्होंने युवाओं को सलाह दी हैं कि विवाह से पहले स्पष्ट बातचीत करें, व्यवहार पर ध्यान दें, और किसी भी दबाव या धमकी को हल्के में न लें। क्योंकि वैवाहिक संबंधों के भीतर हिंसा का एक कम चर्चित लेकिन तेजी से बढ़ता रूप सामने आ रहा है। डॉ. गोहे कहते हैं कि पीड़ित चाहे महिला हो या पुरुष, न्याय और सुरक्षा का अधिकार सभी को समान मिलना चाहिए।

### इटारसी में स्मार्ट फिश पार्लर का संचालन नगर पालिका शुरू करवाए कमिश्नर ने संभागीय समय सीमा की बैठक में दिए निर्देश

# कृषि विभाग सप्ताह में 1 दिन जैविक हाट लगाए : कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी

**नर्मदापुरम (निप्र)।** नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभागीय समय सीमा की बैठक में उपसंचालक कृषि श्री जे आर हेडाऊ को निर्देश दिए कि वह सप्ताह में 1 दिन जिले में किसी भी स्थान पर जैविक हाट बाजार लगाना सुनिश्चित करें। जैविक हाट बाजार में जैविक सामग्री,जैविक खाद एवं औषधि की मार्केटिंग की जाए। कमिश्नर ने संयुक्त संचालक नगरी प्रशासन को निर्देश दिए कि वह इटारसी में बनाए गए स्मार्ट फिश पार्लर में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए उसका संचालन शुरू करवाए। कमिश्नर श्री तिवारी ने जिले में पुनः कई जगह नरवाई जलाने की घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी किसानों को समझाइश दी जाए कि वह नरवाई ना जलाएं। उन्होंने एक बगिया मां के नाम के तहत दिए गए लक्ष्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए और कहां की अगले सप्ताह उन्हें लक्ष्य पूर्ति के संबंध में जानकारी से अवगत कराया जाए। उन्होंने पशु चिकित्सा विभाग की कामधेनु योजना में अदयतन प्रगति लाने के निर्देश दिए साथ ही कहां की गौशालाएं बढ़ाने की दिशा में भी संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य योजना के तहत केस कल्चर के तहत बजट आवंटन की मांग करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी जिलों में केस कल्चर का लक्ष्य प्राप्त हुआ है अतः बजट शासन से प्राथमिकता से मांग कर लक्ष्य की पूर्ति की जाए। कमिश्नर ने सभी कलेक्टर्स को जिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए साथ ही उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग को निर्देश दिए कि वह जिला पोषण विकास समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित करें। उन्होंने संयुक्त संचालक स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि वह आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए अभियान प्रारंभ कराए और दिए गए लक्ष्य के अनुसार सत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाना सुनिश्चित करें। 70 वर्ष से अधिक एवं सामान्य वाला कार्ड भी दिए गए लक्ष्य के अनुरूप शत् प्रतिशत बनाया जाए। कमिश्नर ने गत दिसंबर माह में हुए इन्वेस्टर कॉन्क्लेव में लिए गए निर्णय एवं वादे को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वकर्मा योजना अंतर्गत हितग्राहियों को ऋण वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही कहां की विश्वकर्मा योजना के तहत ऋण वितरण की मॉनीटरिंग भी सजग रूप से की जाए। कमिश्नर ने जिला स्तरीय कौशल विकास समिति की बैठक भी नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आईटीआई अधिकारी उक्त बैठक आयोजित करें। उन्होंने जगह-जगह बनाई जा रही अवैध कॉलोनी को नियंत्रित करने के निर्देश दिए। और कहां की नगर पालिका तत् संबंध में आवश्यक संज्ञान लेते हुए कार्रवाई सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने राम पथ गमन पथ पर विकास कार्य करने के भी निर्देश दिए,और कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातिय कार्य विभाग विद्यार्थियों को समय पर शिष्यावृती एवं छात्रवृत्ति देना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी शासकीय एवं अ शासकीय स्कूल समय पर खुलें। स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति सत प्रतिशत रहे। अध्यापक गण अध्यापन में नवीन तकनीकी का उपयोग करें। कमिश्नर श्री तिवारी ने अधीक्षण यंत्री पीएच ई को निर्देश दिए कि वह जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल कनेक्शन का कार्य हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले में 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने उपायुक्त जनजाति कार्य विभाग को निर्देश दिए की धरती आबा के अंतर्गत जो कार्य कराए जाने हैं वह कार्य समय पर पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने डीएलसीसी की बैठक में लखपति दीदी एवं केसीसी के प्रकरण रखने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी अपने विभाग के कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन जनप्रतिनिधियों के हाथों से ही कराए,जनप्रतिनिधियों से सतत संवाद एवं समन्वय बनाकर रखें। उन्होंने कहा कि यदि किसी विभाग में नवाचार हो रहा है तो उसे नवाचार को धरातल पर अवश्य लाएं। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी अधिकारी नियमित रूप से भ्रमण करें और माह में एक दिन किसी भी गांव में रात्रि विश्राम कर गांव में व्याप्त समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करें। कमिश्नर ने सोशल मीडिया पर प्रसारित समाचारों को गंभीरता से लेने की निर्देश दिए और कहां कि यदि विपरीत समाचारो का प्रकाशन का प्रकाशन हो रहा है तो तत्काल उसका खंडन भी जारी करे। उन्होंने 1 दिसंबर से 20 जनवरी तक धान खरीदी की सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए।

महिला बाल विकास विभाग द्वारा समझाईश देकर रोका गया बाल विवाह

विदिशा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम द्वारा आज विदिशा के ग्राम कागपुर की एक 16 वर्षीय नाबालिक बालिका का बाल विवाह रोकने की कार्रवाई परिजनों को समझाईश देकर की गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर शिकायत प्राप्त हुई थी की ग्राम कागपुर में 16 वर्षीय नाबालिग बालिका का बाल विवाह ग्राम रजोदा जिला झांसी के साथ होना तय हुआ है यह शादी दिनांक 30 नवम्बर 2025 को ग्राम कागपुर से होनी थी। सहायक संचालक श्री विवेक शर्मा द्वारा शिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए विदिशा ग्रामीण परियोजना अधिकारी श्री संजय सिंह, बाल विवाह रोकथाम प्रभारी श्री मुकेश ताम्रकार, सेक्टर पर्यवेक्षक रजनी शर्मा द्वारा मौके पर पहुंचकर बालिका के परिजनों से जानकारी ली गई। बालिका की मां द्वारा आयु संबंधी दस्तावेज उपलब्ध ना कराने पर तत्काल शासकीय माध्यमिक शाला कागपुर प्रधान अध्यापक से संपर्क किया गया और स्कूल की प्रवेश पंजी में बालिका की जन्मतिथि 04 जनवरी 2009 अंकित पाई गई। बलिका के परिजनों को समझाईश और बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के नियमों एवं प्रावधानों की जानकारी दी गई। परिजनों से लिखित सहमति ली गई जिस पर परिजनों ने बाल विवाह ना करने पर सहमति व्यक्त की है।

बाल विवाह रोकथाम के दौरान श्रीमती पप्पी जाटव आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, रेखा जाटव सहयिका श्रीमती शीला बाई, सुशीला बाई बघेल आशा कार्यकर्ता, गीताबाई जाटव उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### जिले में कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य सुधार हेतु वितरित की जा रही है फूड बॉस्केट

**रायसेन (निप्र)।** रायसेन जिले को कुपोषणमुक्त बनाने के लिए महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित विभागों द्वारा अभियान के रूप में कार्य किया जा रहा है। साथ ही जनप्रतिनिधियों, व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संगठनों आदि के सहयोग से कुपोषित बच्चों को फूड बॉस्केट वितरित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सेमरीखुर्द, देवनगर, सुल्तानगंज, केवलझिर, दाहोद सहित अन्य ग्रामों तथा निकायों में कुपोषित बच्चों को फूड बॉस्केट वितरित की गई। साथ ही महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा कुपोषित बच्चों के माता-पिता से गृह भेंट कर बच्चों के स्वास्थ्य में पोषण आहार का महत्व बताया जा रहा है। साथ ही घर पर ही सुगमता से उपलब्ध खाद्य सामग्रियों से पौष्टिक आहार बनाने की विधि बताई जा रही है।

### बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत कठपुतली और नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम आयोजित

**नर्मदापुरम (निप्र)।** कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति अंतर्गत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के माध्यम से जन जागरूकता लाई जा रही है। तत्संबंध मेंमहिला एवं बाल विकास संचालनालय के निर्देशानुसार भोपाल के कलाकारों द्वारा कठपुतली और नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं व बच्चों से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी हेतु जिले की विविध परियोजनाओं में आयोजित किये जा रहे हैं।

### तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**बैतूल (निप्र)।** तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के तहत शासकीय सुभाष उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोठी बाजार में 14 नवम्बर को एवं संस्कार विद्या मंदिर भगूढाना में 17 नवंबर को जागरूकता गतविधियां आयोजित की गई। इस दौरान तम्बाकू नोडल अधिकारी डॉ. शुभांजलि बंसोड़ , दंत चिकित्सक डॉ पूजा गंगारे एवं डॉ. अंकित मोहन द्वारा तंबाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों पर जागरूकता व्याख्यान, शपथ ग्रहण और मौखिक स्वास्थ्य पर विद्यार्थियों को जानकारी प्रदाय की गई। साथ ही विद्यार्थियों को अपने परिवार, आस-पास पड़ोस, रिश्तेदारों को तम्बाकू के दुष्प्रभावों को बताकर तम्बाकू छोड़ने के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर सुभाष उ.मा. विद्यालय प्राचार्य श्रीमती आशा कटारे, संस्कार स्कूल प्राचार्य श्रीमती सुनीता पांडे एवं स्टाफ के साथ-साथ विद्यार्थी उपस्थित रहे।

### अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट ने आमला में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों का किया निरीक्षण

**बैतूल (निप्र)।** निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में चल रहे निर्वाचक नामावली के विशेष ग्रहण पुनरीक्षण- 2026 कार्यक्रम के अंतर्गत अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट ने सोमवार को आमला क्षेत्र का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस मौके पर एसडीएम श्री शैलेन्द्र बड़ोनिया भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती जाट ने बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं से प्राप्त किए जा रहे गणना प्रपत्रों के संग्रह एवं उनके डिजिटल अपडेट की प्रगति जानी। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां भी मतदाताओं को प्रपत्र भरने में किसी प्रकार की दिक्कत आ रही हो, वहां बीएलओ आवश्यक सहयोग प्रदान करें। उन्होंने जनपद पंचायत एवं नगर निकाय के कर्मचारियों को भी इस प्रक्रिया में बीएलओ का सक्रिय सहयोग करने के निर्देश दिए। अपर कलेक्टर श्रीमती जाट ने बीएलओ को समय-सीमा के भीतर सभी गणना प्रपत्र एकत्रित कर शीघ्र डिजिटल प्रविष्टि पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुनरीक्षण अभियान की गति तेज की जाए, ताकि सभी कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण हो सकें।

### मतदाता सूची पुनरीक्षण में सहयोग के लिए एक्सीलेंस स्कूल में पत्र लेखन कार्यक्रम आयोजित

**विदिशा (निप्र)।** मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत आज एक्सीलेंस स्कूल, विदिशा में पत्र लेखन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर–इलेक्शन तथा जिले एवं विधानसभा-144 के मास्टर ट्रेनर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि बूथ लेवल ऑफिसर घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन कर रहे हैं, इसलिए प्रत्येक नागरिक को उनका पूरा सहयोग करना चाहिए। बीएलओ द्वारा प्रदान किए जाने वाले गणना पत्रक को सही-सही भरना आवश्यक है, जिसमें दो फोटो, आधार नंबर तथा EPIC नंबर (मतदाता पहचान-पत्र) लिखना होता है। किसी भी प्रकार का दस्तावेज जमा नहीं करना है। इस बात पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में युवाओं ने पत्र लेखन के माध्यम से संदेश दिया कि वे बीएलओ के कार्य में पूर्ण सहयोग करेंगे और मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाने में योगदान देंगे। उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य श्री खजान सिंह ने बताया कि उन्होंने विदिशा विकासखंड का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। निर्देशानुसार विकासखंड में एक साथ टाइम टेबल जारी कर स्वीप गतिविधियों के तहत व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

### स्वीप गतिविधियों के लिए खंड स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त

# तंबाकू सेवन रोकने के लिए ''जनभागीदारी और निरंतर जागरूकता'' ही सबसे प्रभावी हथियार है : कलेक्टर

### तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में नागरिकों को किया जाए जागरूक : कलेक्टर

**सीहोर (निप्र)।** राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने तंबाकू सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि तंबाकू नियंत्रण केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक कल्याण से भी जुड़ा विषय है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि जिले में तंबाकू के उपयोग पर रोकथाम एवं जन-जागरूकता गतिविधियों को और अधिक प्रभावी' बनाया जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि तंबाकू सेवन रोकने के लिए ''जनभागीदारी और निरंतर जागरूकता'' ही सबसे प्रभावी हथियार है। सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि जिले में तंबाकू सेवन की प्रवृत्ति कम हो और नागरिकों को स्वस्थ वातावरण मिल सके। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि जिले के नागरिकों को तंबाकू छोड़ने हेतु प्रेरित करने के लिए संचालित किए जा रहे विशेष अभियान 'तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0' को और अधिक प्रभावी रूप से संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएं

और जिले के सभी स्कूलों को तंबाकू मुक्त बनाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि लोगों को नशा छोड़ने में सहयोग देने हेतु परामर्श व उपचार सुविधाएँ बढ़ाई जाएँ। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने तंबाकू के दुष्प्रभावों, कैंसर और अन्य गंभीर रोगों के जोखिम पर आमजन को जागरूक करने के लिए पोस्टरों, रैलियों, डिजिटल मीडिया और विभिन्न आयोजन के माध्यम से बड़े पैमाने पर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। बैठक में तंबाकू नोडल अधिकारी डॉ नेहा सिंह ने जानकारी दी कि 'तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0' एवं 'तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान कार्यक्रम' के अंतर्गत अभी तक जिले के कुल 107 स्कूलों को तंबाकू मुक्त घोषित किया जा चुका है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि लक्ष्य अनुसार जिले के 400 स्कूलों को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जाए। उन्होंने जिला पंचायत के अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि तंबाकू मुक्त गांव बनाने के लिए भी निरंतर कार्य करें। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए जिला अस्पताल में कोटपा एक्ट के तहत अभी तक 13 हजार रूपये की चालानी कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही अभी तक 180 मरीजों को निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी दी गई है। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि सभी स्कूलों और कॉलेजों में तंबाकू के दुष्प्रभावों पर विशेष सत्र, पोस्टर प्रदर्शनी और जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएँ। सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान और तंबाकू सेवन पर रोक के प्रावधानों का कठोरता से पालन कराया जाए। इसके साथ ही उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाने की कार्रवाई भी की जाए। उन्होंने कहा कि स्कूलों के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित है। इस नियम का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई की जाए। तंबाकू दुकानों का लाइसेंसिंग सिस्टम भी मजबूत किया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त सुश्री वंदना राजपूत, श्री रविन्द्र परमार, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, श्रीमती स्वाति मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर श्री जमील खान सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

# सीहोर जिले में एसआईआर की रफ्तार तेज़, कई बीएलओ बने उत्कृष्ट प्रदर्शन के उदाहरण

### कलेक्टर ने सभी बीएलओ को किया प्रोत्साहित

### कई बीएलओ ने 98 प्रतिशत तक कार्य किया पूर्ण

**सीहोर (निप्र)।** कलेक्टर श्री बालागुरू के. के नेतृत्व में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार सीहोर जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य किया जा रहा है, जिसमें जिले के बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना पत्रक वितरित करना, भरवाकर प्राप्त करना और उसे बीएलओ एप पर अपलोड कर डिजिटलाइजेशन पूर्ण करना शामिल है। इस एसआईआर प्रक्रिया के प्रथम चरण में जिले की चारों विधानसभाओं–बुधनी, आष्टा, इछावर और सीहोर–के कई बीएलओ ने अभूतपूर्व कार्यकुशलता का परिचय दिया है। इन बीएलओ ने 04 नवंबर से 17 नवंबर की अवधि में ही 80 प्रतिशत से लेकर 98 प्रतिशत तक कार्य पूर्ण क एक मिसाल कायम की है। बुधनी विधानसभा में जीवन सिंह मेवाड़ा ने 98.11 प्रतिशत, नयादास बैरागी ने 80.88 प्रतिशत और प्रेम सिंह ने 78.08 प्रतिशत डिजिटलीकरण कर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इसी प्रकार आष्टा विधानसभा में कई बीएलओ शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं में रहे, जिनमें गिरिश कुमार विश्वकर्मा 97.94 प्रतिशत, गजराज सिंह 94.61 प्रतिशत, भैरूंलाल 95.80 प्रतिशत, सुश्री मधु 81.55 प्रतिशत, विक्रम सिंह 79.70 प्रतिशत और रणजीत कुमार 78.08 प्रतिशत शामिल हैं। इसी प्रकार इछावर विधानसभा में जगन्नाथ सिंह अष्टाया ने 81.18 प्रतिशत और देव सिंह ठाकुर ने 77.79

प्रतिशत कार्य पूर्ण किया, जबकि सीहोर विधानसभा में ओमप्रकाश कुशवाहा ने 79.70 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की है। तेजी और प्रतिबद्धता के साथ किए गए इन कार्यों ने जिले में एसआईआर प्रक्रिया को तेज गति दी है। कलेक्टर श्री बालागुरू के निरंतर मार्गदर्शन में ये बीएलओ न केवल अपनी जिम्मेदारियों को समय से पहले पूरा कर रहे हैं, बल्कि जिले के अन्य बीएलओ के लिए प्रेरणा स्त्रोत भी बन रहे हैं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी बीएलओ को प्रेरित करते हुए कहा है कि यदि इसी प्रकार सभी बीएलओ सक्रियता और समर्पण के साथ कार्य करें तो जिले का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले ही पूर्ण किया जा सकता है। इन बीएलओ की उत्कृष्ट उपलब्धियां जिले के लिए गर्व का विषय हैं और यह साबित करती हैं कि टीमवर्क, प्रतिबद्धता और तकनीक के समन्वय से किसी भी बड़े कार्य को सफलता पूर्वक अंजाम दिया जा सकता है।

### विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदान केंद्र का निरीक्षण

**विदिशा (निप्र)।** विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 144-विदिशा विधानसभा के अंतर्गत आने वाले मतदान केंद्र क्रमांक 252, खाईखेड़ा और मतदान केन्द्र क्रमांक 223 कराखेड़ी का निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण में विदिशा तहसीलदार अजय पाठक तथा जिला निर्वाचन कार्यालय से सहायक प्रोग्रामर रवि यादव एवं आनंद श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

निरीक्षण दल ने मतदाता सूची, बूथ व्यवस्था, मूलभूत सुविधाओं सहित सभी आवश्यक बिंदुओं की गहन समीक्षा की। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि मतदाताओं की सुविधा एवं सुगम मतदान हेतु सभी प्रबंध समय रहते सुनिश्चित किए जाएं। इस निरीक्षण का उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाना है ताकि आगामी चुनावों में मतदाताओं को निर्बाध और सुचारू मतदान सुविधा उपलब्ध हो सके।

### पढ़ाई हमेशा कीजिए, सपने साकार होंगे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे

**विदिशा (निप्र)।** स्थानीय शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेड़ी में 'पुलिस कैसे बने' विषय पर आधारित छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ उत्साहपूर्वक हुआ। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि 'पढ़ाई हमेशा कीजिए, कुछ समय दूसरे कामों के लिए निकालिए... सपने अवश्य साकार होंगे।

उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा युवाओं के लिए अत्यंत उज्ज्वल करियर विकल्प है, जिसमें स्थिरता, सम्मान और समाज सेवा तीनों का अनूठा संगम मिलता है। आधुनिक पुलिसिंग के क्षेत्र में तकनीक, साइबर सुरक्षा, फॉरेंसिक विज्ञान और खुफिया विश्लेषण जैसे क्षेत्रों के विस्तार से युवाओं के लिए नए अवसर और तेजी से आगे बढ़ने की संभावनाएँ बढ़ गई हैं। पारदर्शी भर्ती प्रक्रियाओं ने ग्रामीण एवं शहरी–सभी पृष्ठभूमि के युवाओं के लिए समान अवसर उपलब्ध कराए हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अनेक प्रश्न पूछे। उत्कृष्ट विद्यालय की कक्षा 12वीं की छात्रा हर्षिता चौबे ने जब तैयारी की दिनचर्या के बारे में जानना चाहा, तो एएसपी डॉ चौबे ने कहा पढ़ाई के लिए नहीं, बल्कि अन्य कार्यों के लिए समय निकालिए... पढ़ाई तो हमेशा करनी ही है। कार्यशाला के पहले दिन डॉ. अमोल सोले ने व्यक्तित्व विकास विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

# पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ प्रदाय किए जाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरते विभाग: कलेक्टर

**नर्मदापुरम (निप्र)।** कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभागवार संबंधित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने योजना से संबंधित आवश्यक आंकड़ों का सूक्ष्मता से परीक्षण कर अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन में सभी विभाग सतर्कता से कार्य करें जिससे पात्र लाभार्थियों को योजना के लाभ से लाभान्वित किया जा सके और कोई भी हितग्राही इससे वंचित न हो। बैठक के दौरान कलेक्टर ने कृषि एवं उससे संबद्ध अन्य विभागों, स्वास्थ्य, रोजगार नगरीय विकास शिक्षा पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित अन्य विभागों के तहत संचालित योजनाओं एवं अभियानों की गहनता से समीक्षा की। बैठक के दौरान कलेक्टर ने कृषि विभाग से संबंधित योजनाओं तथा अन्य विषयों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि कृषकों को व्यवस्थित तरीके से खाद वितरण किए जाने हेतु प्रबंधन को मजबूत किया जाए। बैठक के दौरान उपलब्ध उर्वरक एवं खाद की मात्रा के परीक्षण के उपरांत कलेक्टर ने सख्त रूप से निर्देश दिए की कृषि, सहकारिता तथा मार्कफेड गोदाम स्तर पर भंडारित लगभग 5500 एमटी और समिति स्तर पर भंडारित

लगभग 2200 एमटी एनपीके/कॉम्प्लेक्स का शीघ्र वितरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि डीएपी के वैकल्पिक उर्वरक टीएसपी/एसएसपी/एनपीके के उपयोग तथा इनकी क्षमता से किसानों को अवगत कराया जाए तथा उन्हें जागरूक किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि गोदाम में एवं समितियों के पास भंडारित एनपीके/कॉम्प्लेक्स का वितरण किसानों को किए जाने हेतु व्यापक स्तर पर इनके उपयोग के लिए प्रमाणिक जानकारी के साथ उन्हें प्रोत्साहित करें। समीक्षा के दौरान उद्यानिकी विभाग द्वारा जानकारी दी गई की विभाग द्वारा उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र को बढ़ाने के लिए जिले के तीन विकासखंड केसला, माखननगर एवं नर्मदापुरम का क्लस्टर तैयार कर 500 महिला कृषकों को मांग आधारित सब्जियों की खेती के हेतु जोड़ा जा रहा है। साथ ही इसके विपणन हेतु भी व्यापक स्तर पर कार्य योजना तैयार की जा रही है ताकि प्राकृतिक रूप से तैयार की गई फसल का प्रदेश के शहरों में विक्रय किया जा सके तथा उन्हें आर्थिक सशक्तिकरण प्राप्त हो। इसी प्रकार कलेक्टर सुश्री मीना ने निर्देश दिए कि जिले में फसलों की सिंचाई हेतु किसानों को ड्रिप स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए भी इसके उपयोग, महत्व और लाभ से लगातार प्रोत्साहित किया जाए।

इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए कि जिले में स्वीकृत शासकीय गौशालाओं का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। साथ ही उन्होंने यह निर्देश भी दिए की निर्माण अधीन गौशालाओं के निर्माण कार्य भी अविलंब पूर्ण किए जाएं। इसी के साथ कलेक्टर ने यह निर्देश भी दिए कि मुख्यमंत्री डेरी प्लस योजना के तहत तैयार प्रकरणों कि शीघ्र स्वीकृति हेतु संबंधित विभाग आवश्यक कदम उठाए। इस दौरान उपसंचालक पशुपालन विभाग द्वारा जानकारी दी गई थी कामधेनु योजना अंतर्गत जिले को प्राप्त लक्ष्य सैचुरेटेड हो चुके है। बैठक के दौरान उपसंचालक मत्स्य विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि मत्स्य पालन में उपयोग की जा रही आधुनिक तकनीक आरएएस बायोफ्लाक्स एवं केज कल्चर के फलस्वरूप मत्स्य उत्पादन में जिले को 27 प्रतिशत वृद्धि प्राप्त हुई है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मत्सय संपदा योजना अंतर्गत मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए जिससे जिले की मत्स्य उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो।

# पैक्स एवं स्व-सहायता समूह से खुलेगा ग्रामीण आर्थिक सशक्तिकरण का नया अध्याय

## मंत्री सारंग ने ली सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक

**भोपाल (नप्र)।** सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को मंत्रालय में सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीपीपीपी अंतर्गत जीआईएस-2025 के दौरान हुए एमओयू की प्रगति, नवाचार प्रकोष्ठ की गतिविधियों तथा सहकारिता तंत्र को मजबूत बनाने से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि पैक्स और स्व-सहायता समूहों के बीच सहयोगात्मक ढांचा तैयार कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बड़े अवसर विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि पैक्स-स्व सहायता समूह के बीच साझेदारी का स्पष्ट एवं क्रियाशील रोडमैप तैयार किया जाए। जिससे ग्रामीण स्तर पर नए रोजगार व उद्यमों को बढ़ावा दिया जा सके। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सहकारिता ही वह सशक्त नेटवर्क है जो हर घर तक आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को पहुँचा सकता है। हमें स्थानीय आवश्यकताओं और संसाधनों को पहचानकर योजनाओं को धरातल पर उतारना होगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि नवाचार की सक्सेस स्टोरी तैयार की जाए। इस नवाचार को दस्तावेज़ रूप में भी संकलित किया जाए।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि जिला स्तर पर सहकारी बैंकों के सीईओ के माध्यम से किसानों, सहकारी समितियों के प्रबंधकों तथा अन्य संबंधित हितधारकों से सुझाव एकत्र किए जाएं। जिससे मुख्यालय से आवश्यक सुधार करते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा सके।

बैठक में प्रमुख सचिव सहकारिता श्री डी.पी. आहूजा, आयुक्त सहकारिता श्री मनोज पुष्प, प्रबंध संचालक (उपभोक्ता संघ) श्री ऋतुराज रंजन, प्रबंध संचालक (बीज संघ) श्री महेंद्र दीक्षित, प्रबंध संचालक (अपेक्स बैंक) श्री मनोज गुप्ता सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

## कलार समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन 23 को

**भोपाल।** वरिष्ठ नागरिक मंच कलार समाज म.प्र. भोपाल एवं एलएनसीटी समूह के तत्वावधान में, कलचुरी समाज के सभी सामाजिक संगठनों के सहयोग से चतुर्थ निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन आगामी 23 नवंबर को एलएनसीटी विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित किया जाएगा। मीडिया प्रभारी राजेश राय ने बताया कि सम्मेलन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। समारोह में पंजीकृत 11 जोड़े समाज के संतजनों से आशीर्वाद प्राप्त कर नवजीवन की शुरुआत करेंगे। मंच ने समाजजनों से आग्रह किया है कि वे इस महाअनुष्ठान में पहुँचकर वर-वधुओं को गृहस्थ जीवन प्रारंभ करने हेतु उपहार व आशीर्वाद प्रदान करें तथा पुण्य लाभ अर्जित करें।

**11 रथों की भव्य सामूहिक बारात आकर्षण का केंद्र-** इस वर्ष सम्मेलन में विशेष रूप से तैयार की गई सामूहिक बारात आकर्षण का केंद्र रहेगी। सभी 11 जोड़े अलग-अलग रथों पर बैठकर बारात में शामिल होंगे। आगे आयोजक और बाराती डीजे की धुन पर नृत्य करते हुए चलेंगे, वहीं आयोजन समिति घराती बनकर पारंपरिक तरीके से बारात का स्वागत व सत्कार करेगी।ड्रेस कोड के साथ दिखेगी समाज की एकरूपता। कार्यक्रम में समाज की एकता दर्शाने हेतु विशेष ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है।

# बर्फीली हवा से ठिठुरा मप्र 21 जिलों में आज शीतलहर

## प्रदेश में 10 डिग्री से नीचे पारा...राजगढ़ सबसे ठंडा, भोपाल-इंदौर में फिर लुढ़का

**भोपाल (नप्र)।** मध्यप्रदेश में तेज ठंड का दौर बरकरार है। मंगलवार-बुधवार की रात प्रदेश के कई शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे ही रहा। राजगढ़ सबसे ठंडा दर्ज किया गया। यहां पारा 6.5 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल और इंदौर में पारे में फिर गिरावट हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार-बुधवार की रात में भोपाल में 7.8 डिग्री, इंदौर में 6.9 डिग्री, ग्वालियर में 10.7 डिग्री, उज्जैन में 9.5 डिग्री और जबलपुर में 9.9 डिग्री रहा। इसी तरह पचमढ़ी में 6.6 डिग्री, नौगांव में 8 डिग्री, शिवपुरी में 9 डिग्री, खरगोन में 9.4 डिग्री, छिंदवाड़ा-मलाजखंड में 9.6 डिग्री और रीवा में 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बाकी शहरों में 10 से 13 डिग्री के बीच पारा टिका रहा। मौसम विभाग ने बुधवार को भोपाल, इंदौर, राजगढ़, जबलपुर, शाजापुर, सीहोर, देवास, खंडवा, खरगोन, धार, बड़वानी, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, मैहर, शहडोल, कटनी, उमरिया में कोल्ड वेव चलने का अलर्ट जारी किया है।

### राजधानी में टूट चुका 84 साल का रिकॉर्ड

इससे पहले सोमवार-मंगलवार की रात में कई शहरों में पारे में गिरावट का दौर जारी रहा। 18 शहरों में पारा 10 डिग्री से कम रहा। राजगढ़ सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में तापमान 6.4 डिग्री रहा। उमरिया में 7.6 डिग्री, नौगांव में 7.8 डिग्री, शिवपुरी में 8 डिग्री, बैतूल में 8.7 डिग्री, धार में 8.8 डिग्री, मलाजखंड में 8.9 डिग्री, खंडवा में 9.4 डिग्री, छिंदवाड़ा में 9.5 डिग्री, खरगोन-मंडला में 9.6 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में पारे में 3 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रविवार-सोमवार की रात यहां तापमान रिकॉर्ड 5.2 डिग्री था। इससे नवंबर की सर्दी का 84 साल का रिकॉर्ड ब्रेक हो गया था। इसके बाद तापमान 8.2 डिग्री पर आ गया। इंदौर में 7.7 डिग्री, ग्वालियर में 10.5 डिग्री, उज्जैन में 11 डिग्री और जबलपुर में पारा 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

### शहडोल में ठंड से एक व्यक्ति की मौत

मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड का दौर जारी है है। इस बीच शहडोल जिले में 45 साल के एक शख्स की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक शॉर्ट पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत की वजह ठंड बताई गई है। शहडोल में पिछले कुछ दिनों से न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है। वार्ड नंबर 30 के कट्टी मोहल्ला के रहने वाले बबलू सिंह गुब्बारे बेचते थे। पत्नी की पहले ही मौत हो चुकी है। दो बेटियां हैं। मंगलवार रात करीब 9 बजे बबलू ने बेटियों के साथ खाना खाया। बेटियों को सुलाने के बाद खुद फर्श पर पर बिस्तर लगाकर सो गए। बबलू आमतौर पर रोज सुबह 7 बजे उठ जाते थे। बुधवार को सुबह आठ बजे तक सोकर नहीं उठे तो बेटियों ने उन्हें जगाने की कोशिश की। जब वे नहीं उठे तो बेटियों ने पड़ोसियों को ये बात बताई। लोगों ने बबलू को हिला-डुलाकर देखा। शरीर में कोई हलचल नहीं हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

# सटीक निशाना, अटूट धैर्य-कुशाग्र ने जीता अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

## ● 50 मीटर राइफल प्रोन इवेंट में हासिल किया कांस्य पदक

**भोपाल (नप्र)।** टोक्यो में आयोजित 25वीं समर डेफलंपिक में भारत तथा मध्यप्रदेश के लिए मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के प्रतिभावान शूटर कुशाग्र सिंह राजावत ने गौरवपूर्ण उपलब्धि दर्ज कराई है। शूटर कुशाग्र सिंह ने 50 मीटर राइफल प्रोन (पुरुष वर्ग) स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता। इस उपलब्धि से अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी मंच पर मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

### शानदार प्रदर्शन से चमका मध्यप्रदेश का सितारा

कुशाग्र सिंह राजावत ने प्रतियोगिता के दौरान अपनी उत्कृष्ट तकनीक, धैर्य और सटीकता का अद्वितीय प्रदर्शन किया। कड़े अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी माहौल में भी उन्होंने संतुलित खेल दिखाते हुए पदक तालिका में स्थान बनाकर देश एवं प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उनके इस प्रदर्शन ने युवाओं के लिए प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

### मंत्री काश्यप ने अनुकंपा नियुक्ति पत्र किए वितरित

**भोपाल (नप्र)।** सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप ने बुधवार को विभाग के दिवंगत कर्मचारियों के पात्र आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र प्रदान किए। लाभांवित परिवारजन ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्य शासन का आभार व्यक्त किया। मंत्री श्री काश्यप ने सहायक ग्रेड वर्ग-3 के पद पर सर्वश्री शुभम सोनकर, जकाउल्ला और सुश्री समृद्धि शर्मा को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। श्री लोकेश मोहार को भृत्य के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है। इस अवसर पर विभाग के संयुक्त संचालक श्री अंबरीश अधिकारी भी उपस्थित थे।

# जीएमसी का हेल्थ इंश्योरेंस की स्थिति पर रिपोर्ट

## ● 33.6 प्रतिशत परिवार अब भी बिना बीमा

**भोपाल (नप्र)।** गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के ताजा अध्ययन ने शहर और गांव के बीच स्वास्थ्य बीमा कवरेज में मौजूद गहरी खाई को उजागर कर दिया है। रिसर्च में शामिल 428 परिवारों में से 33.6 प्रतिशत अभी भी किसी भी स्वास्थ्य बीमा योजना में शामिल नहीं हैं, जिसमें शहरी परिवारों की हिस्सेदारी ग्रामीणों से अधिक पाई गई। आयुष्मान भारत योजना सबसे ज्यादा उपयोग की जाने वाली स्कीम है, लेकिन पात्र होने के बावजूद कई लोगों के कार्ड नहीं बन पाए। अध्ययन में सामने आया कि बायोमेट्रिक मिलान की समस्या, अधूरे दस्तावेज और जानकारी का अभाव आयुष्मान कवरेज बढ़ने में सबसे बड़ी बाधाएं हैं। प्रो. डॉ. जीवन सिंह मीणा के मार्गदर्शन में डॉ. कुलदीप गुप्ता द्वारा किए गए में 214 ग्रामीण (औबेदुल्लागंज) और 214 शहरी परिवारों (लेडी भोर सेंटर कैचमेंट एरिया) को शामिल किया गया।

**शहरी सोशल मीडिया से, ग्रामीण स्वास्थ्यकर्मियों से सीख रहे-** अध्ययन से पता चला कि शहरी क्षेत्रों में 48.8 प्रतिशत प्रतिभागियों को परिवार और मित्रों से बीमा की जानकारी मिली। जबकि 27.3 प्रतिशत को सोशल मीडिया से मिलती है।

# फैसल मलिक, दिव्या दत्ता, समेत कई की हस्तियां पहुंचेंगी भोपाल

## 27-29 नवंबर तक भोपाल में सजेगा विश्वरंग-2025 का रंगरंग मंच

**भोपाल (नप्र)।** भारतीय कला, साहित्य, संस्कृति और भारतीय भाषाओं को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से विश्व रंग फाउंडेशन और रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से विश्वरंग-टैगोर अंतरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव 2025 का आयोजन 27 से 29 नवंबर तक रवींद्र भवन, भोपाल में कर रहे हैं। यह विश्वरंग का सातवां संस्करण है, जिसमें देश-विदेश के नामचीन साहित्यकार, कलाकार, शिक्षाविद और सांस्कृतिक हस्तियां शामिल होंगी।

तीन दिवसीय महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की विशेष श्रृंखला रहेगी। 27 नवंबर को श्रीराम कला केंद्र, नई दिल्ली 'श्री कृष्ण लीला' नृत्य नाटिका का मंचन करेगा। 28 नवंबर को देश के लोकप्रिय समूह कलेक्टिव क्वॉयर प्रस्तुति देगा, जबकि 29 नवंबर को गायिका सोना महापात्रा विशेष संगीत संध्या में श्रोताओं को सुरों से मंत्रमुग्ध करेंगी।

**विचार और संवाद सत्रों में पहुंचेंगी हस्तियां-** 28 नवंबर को अभिनेता फैसल मलिक, अभिनेत्री दिव्या दत्ता, सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर और उद्यमी अंकुर वारिकू, गीतकार स्वानंद किरकिरे और क्रिकेटर-कॉमेंटेटर आकाश चोपड़ा अपने विचार रखेंगे। 29 नवंबर को अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा, पत्रकार सौरभ द्विवेदी और अन्य चर्चित हस्तियां सहभागिता दर्ज कराएंगी।

**साहित्य की बड़ी आवाजें भी एक मंच पर-** देवदत्त पटनायक, दिव्य प्रकाश दुबे, ममता कालिया, नीलेश मिश्रा, ए. अरविंदाक्षन, शशांक, शिवमूर्ति और ज्ञान चतुर्वेदी जैसे प्रमुख साहित्यकार भी अपने विचार और रचनाएं साझा करेंगे।

**अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति बनेगी विशेष आकर्षण-** नीदरलैंड, शारजाह, श्रीलंका, इजराइल, जापान, डेनमार्क, चीन और इटली से भी साहित्यकार शामिल होंगे। साहित्यकार रामा तक्षक, डॉ. पूर्णिमा वर्मन, अमली, आमिर ओर, बन्या नट्सूइशी, पिया टाफड्राप, मिंग दी और मोनिका गुएरा भी अलग-अलग सत्रों में अपने विचार और रचनाएं साझा करेंगे।

## पत्नी-बच्चों के साथ जा रहा युवक सड़क पर गिरा

**बड़वानी (नप्र)।** बड़वानी में एक सरकारी डॉक्टर ने सड़क पर बेहोश पड़े एक व्यक्ति की जान बचाई। यह घटना बुधवार दोपहर करी रोड स्थित आरटीओ ऑफिस के सामने हुई, जहां पत्नी और बच्चों के साथ जा रहे अंबू बैग नाम का युवक अचानक सड़क पर गिर गया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। ड्यूटी पर जा रहे डॉ. किशोर मुकाती ने तुरंत अपनी गाड़ी रोकी और अंबू बैग की मदद से उसे कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन देना शुरू किया। तलवाड़ा बुजुर्ग में पदस्थ डॉ. मुकाती ने बताया कि उन्होंने व्यक्ति की पल्स और कैरोटिड चेक की, जो नहीं मिल रही थी। उन्होंने सीपीआर और अंबू बैग से हाइपर वेंटिलेट किया, जिससे शरीर में ऑक्सीजन पहुंच सके। तीन-चार मिनट बाद व्यक्ति का दिल फिर से धड़कने लगा और थोड़ी देर में उसे होश आ गया।

## हाइपोथायरायडिज्म और मोटापा विशेषज्ञ सेंटर में पंजीयन शुरू

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल में आयुष मंत्रालय और शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय की संयुक्त पहल से संचालित हाइपोथायरायडिज्म और मोटापा विशेषज्ञ इकाई एक बार फिर मरीजों के लिए खोल दी गई है। इस विशेष यूनिट में उन 18-60 वर्ष के मरीजों को शामिल किया जाएगा जो थायरॉयड कम होने की समस्या से जूझ रहे हैं और लगातार एलोपैथिक दवाएं लेने के बावजूद वजन नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं। यूनिट में पंजीयन से लेकर सभी जांचें, विस्तृत मूल्यांकन, ठहराव और इलाज पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध कराया जाएगा। यह व्यवस्था उन मरीजों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है, जिनका वजन थायरॉयड दवाओं के बाद भी काबू में नहीं आ पाता। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा मिलकर यह यूनिट संचालित कर रहे हैं। जहां वजन और थायरॉयड असंतुलन से जूझ रहे मरीजों को समग्र और वैज्ञानिक मूल्यांकन के आधार पर होम्योपैथिक उपचार उपलब्ध कराया जाता है।

**कॉल पर ही करा सकते हैं पंजीयन-** यूनिट के लिए वही मरीज पात्र हैं जिनकी उम्र 18 से 60 वर्ष है। इसके अलावा वे जिन्हें हाइपोथायरायडिज्म है, जो नियमित एलोपैथिक दवा (थायरोक्सिन आदि) ले रहे हैं और इसके बावजूद वजन नियंत्रित नहीं हो पा रहा है। रोगी वीक डे में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक फोन नंबर 0755-2992970 पर कॉल करके अपना पंजीयन करा सकते हैं।

### एमपी में सिविल जज की भर्ती परीक्षा पर विवाद

# कांग्रेस ने उठाए सवाल, 121 आरक्षित पदों पर एक भी आदिवासी का सिलेक्शन क्यों नहीं हुआ

**भोपाल (नप्र)।** एमपी में सिविल जज परीक्षा 2022 को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सिविल जज के कुल 191 पदों में से 121 पद आदिवासी का चयन न होने पर कांग्रेस नेताओं ने आपत्ति जताई है।

आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और झाबुआ विधायक डॉ विक्रांत भूरिया ने एमपी आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम के साथ भोपाल प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। भूरिया ने इस भर्ती परीक्षा को आरक्षित वर्ग के लिए दोबारा कराकर आदिवासी उम्मीदवारों को शामिल करने की मांग की। हमारी आपत्ति साफ है कि आदिवासियों को धीरे-धीरे सिस्टम से बाहर किया जा रहा है। उनके लिए सिस्टम के दरवाजे बंद किए जा रहे हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण सिविल जज परीक्षा 2022 के परिणाम हैं। उनमें 191 पोस्ट थीं उसमें से 121 पद आदिवासियों के लिए आरक्षित थीं। इन 121 पदों पर एक भी आदिवासी का चयन नहीं हुआ। मतलब जिस राज्य में पूरे देश में सबसे ज्यादा आदिवासी हैं। उस राज्य में इन्हें एक भी आदिवासी सिविल जज के लिए पात्र आदिवासी उम्मीदवार नहीं मिला। ये अपने आप में सरकार के मुंह पर बहुत बड़ा तमाचा है।

मप्र सिविल जज-2022 परिणाम आदिवासी युवाओं के साथ सुनियोजित अन्याय का प्रतीक- विक्रांत भूरिया मध्यप्रदेश सिविल जज-2022 के परिणाम ने पूरे आदिवासी समाज को गहरे आघात में डाल दिया है। कुल 191 पदों में से 121 पद अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए आरक्षित थे, लेकिन इन 121 आरक्षित पदों पर एक भी आदिवासी उम्मीदवार का चयन नहीं होना केवल एक प्रशासनिक 'विफलता' नहीं, बल्कि सिस्टम में गहरे बैठे पक्षपात और संरचनात्मक भेदभाव का सबसे बड़ा प्रमाण है। यह सवाल केवल इतना भर नहीं है कि परिणाम क्या आया, असली सवाल यह है कि क्या सचमुच 121 सीटों पर एक भी योग्य आदिवासी युवा नहीं मिला या फिर चयन प्रक्रिया और पूरी प्रणाली ने उन्हें शुरुआत की सीढ़ी पर ही रोक दिया। पिछले चार वर्षों से लगातार एक ही पैटर्न सामने आ रहा है कि सिविल जज भर्ती प्रक्रिया में एसटी उम्मीदवारों को मुख्य परीक्षा की सीढ़ी तक पहुँचने ही नहीं दिया जाता, प्रारंभिक चरणों में ही ऐसे मानक, कटऑफ और प्रक्रियाएँ लागू की जाती हैं जिनके चलते आदिवासी युवाओं को व्यवस्थित रूप से बाहर कर दिया जाता है।